RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानंद जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:213 ता. 08 फरवरी 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जिस कांग्रेस की कोई गारंटी नहीं, नेता की कोई गारंटी नहीं, वे मेरी गारंटी पर सवाल उठा रहे : पीएम मोदी

बीएसएनल और एमटीएनएल को बर्बाद करने वाली कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में कहा जिस कांग्रेस की अपने नेता की कोई गारंटी नहीं, अपनी नीति की कोई गारंटी नहीं, वे मोदी की गारंटी पर सवाल उठा रहे हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सरकार द्वारा चल रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्रीन हाइड्रोजन, एथेनॉल की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। इससे जो पैसा बचेगा, वहां किसान की जेब में जाएगा। देश के किसानों को जैविक खेती की तरफ आगे बढ़ा रहे हैं। यूएन के माध्यम से श्रीअन्न का अभियान चलाया। आने वाले वर्षों में भारत के किसानों के सुपरफूड की चर्चा होगी। किसानों के लिए ड्रोन दीदी कार्यक्रम की शुरुआत की है। नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के क्षेत्र में सफलता हासिल की है। सहकारिता क्षेत्र में नया मंत्रालय बनाया है। पशुपालन, मछलीपालन की दिशा में भी हम तेजी से काम कर रहे हैं। जी20 की सफलता ने साफ कर दिया है कि विश्व का ध्यान हमारी तरफ गया है और टूरिज्म पर फोकस हुआ है। आने वाले पांच सालों में डिजिटल इकॉनोमी भारत का सामर्थ्य बढ़ाने वाली है। एआई सहित आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल हमारे देश में हो रहा है। जमीन स्तर पर बहुत बड़ा बदलाव हो रहा है, जिनमें तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। विकसित भारत शब्दों का खेल नहीं है, ये हमारा समर्पण है। हमारी हर सांस, हर पल और हर सोच देश के लिए समर्पित है। आने वाली सदियां इस स्वर्णकाल को याद करेंगी। जीवन के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां और नई ताकत आ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, इनका हाथ, जहां भी लगता है, उसका डूबना तय है। देश में भ्रम मत फैलाइए। इन लोगों की मर्यादा इतनी है कि इन्होंने अपने युवराज को एक स्टार्टअप बनाकर दिया है, और वहां नॉन स्टार्टर है। वहां लांच ही नहीं हो पा रहा है। मेरा सौभाग्य रहा कि मैं लंबे समय तक राज्य का मुख्यमंत्री रहा, तब मुझे स्थानीय लोगों की एस्पिरेशन का पता है। हम राज्यों के विकास से ही राष्ट्र का विकास कर सकते हैं और इस पर कोई विवाद नहीं हो सकता। राज्यों के बीच तंदरुस्त स्पर्धा होनी चाहिए। कोविड के समय में भी मैंने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 20 बैठकें की। केंद्र और राज्यों ने मिलकर उस मुश्किल का सामना किया और राज्यों को भी इसका क्रेडिट लेने का अधिकार है। जी20 का आयोजन हम दिल्ली में कर सकते हैं, लेकिन हमारी सरकार ने इस देश के दूसरे राज्यों में इसकी बैठकें की। सभी राज्यों में बैठकें हुईं, सभी को इसका यश मिला। पूरी दुनिया को हमारे देश के कोने-कोने का एक्सपोजर मिले, हमारा यही प्रयास है। प्रधानमंत्री ने कहा, राहुल गांधी का नाम लिया बिना सरकारी कंपनियों को लेकर हम पर आरोप लगाए जा रहे हैं। जिनका कोई आधार नहीं है। लोगों को याद है कि मारुति के शेयर की चर्चाएं होती थी। मैं उसके विस्तार में नहीं जाना चाहता। बीएसएनल, एमटीएनएल को बर्बाद करने वाले कौन हैं? जरा याद कीजिए एचएएल की क्या हालत करके रखी गई थी। जिन्होंने एचएएल को तबाह किया, वे एचएएल के गेट पर जाकर भाषण झाड़ रहे थे। एयर इंडिया को किसने तबाह किया, ये हालत कौन लाया। कांग्रेस पार्टी और यूपीए उनकी बर्बादी से मुंह नहीं मोड़ सकते। मैं आजाद भारत में पैदा हुआ, मेरे विचार आजाद और मेरे सपने भी आजाद हैं। हम गुलामी की मानसिकता को ढोने वाले नहीं हैं। हमने जो भी काम किया है, वहां एससी, एसटी, ओबीसी के लिए किया है। हमारी योजनाओं से उन्हें अच्छी जीवन जीने का मौका मिला है। हमने इन्हीं वर्ग के लिए पीएम आवास, मुफ्त राशन, मुफ्त इलाज और उज्जवला योजनाएं काम कर रही हैं।

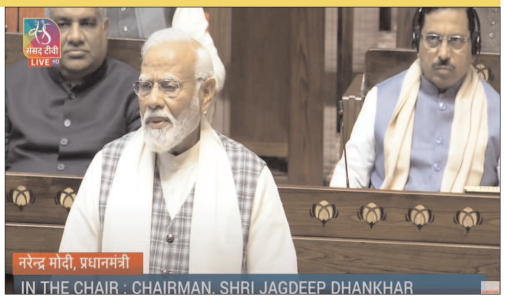

अच्छा काम करने वाले नेताओं की नहीं होती पूछपरख: नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अवसरवादी नेताओं के सत्ताधारी दल से जुड़े रहने की इच्छा पर चिंता जताई है। गडकरी ने कहा कि नेताओं की विचारधारा में इस तरह की गिरावट लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। इतना ही नहीं गडकरी ने यह भी कहा कि जो अच्छा काम करता है उसे कभी सम्मान नहीं मिलता और जो बुरा काम करता है उसे कभी सजा नहीं मिलती। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने सांसदों को सम्मानित करने से जुड़े इस कार्यक्रम में कहा,हमारी बहसों और चर्चाओं में मतभेद हमारी समस्या नहीं है। हमारी समस्या विचारों की कमी है। गडकरी ने कहा कि कुछ ऐसे भी नेता हैं जो अपनी विचारधारा पर दृढ़ हैं, लेकिन उनकी संख्या धीरे-धीरे कम हो रही है। गडकरी ने किसी का नाम का जिक्र किए बिना कहा, ''मैं हमेशा मजाक में कहता हूं कि चाहे किसी भी पार्टी की सरकार हो, एक बात तय है कि जो अच्छा काम करता है उसे कभी सम्मान नहीं मिलता और जो बुरा काम करता है उसे कभी सजा नहीं मिलती। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने सांसदों को सम्मानित करने से जुड़े इस कार्यक्रम में कहा, ''हमारी बहसों और चर्चाओं में मतभेद हमारी समस्या नहीं है। हमारी समस्या विचारों की कमी है।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे लोग भी हैं जो अपनी विचारधारा के आधार पर दृढ़ विश्वास के साथ खड़े हैं लेकिन इस तरह के लोगों की संख्या घट रही है। और विचारधारा में गिरावट, जो हो रही है, लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है।

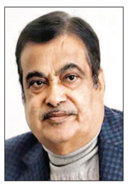

पीएमएलए अदालत ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन की ईडी हिरासत पांच दिन बढ़ायी

रांची। रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिरासत बुधवार को पांच दिन के लिए बढ़ा दी। यह जानकारी वकीलों ने दी। पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन को दो फरवरी को विशेष पीएमएलए (धन शोधन रोकथाम अधिनियम) अदालत ने पांच दिन की ईडी हिरासत में भेजा था। सोरेन की ईडी हिरासत बुधवार को समाप्त हो गई। धनशोधन मामले में ईडी द्वारा सात घंटे की पूछताछ के बाद सोरेन को 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया गया था। सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले दिन में ईडी पूर्व मुख्यमंत्री को कड़ी सुरक्षा के बीच रांची की दीवानी अदालत ले आयी। सोरेन ने अपने समर्थकों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया और उनके समर्थकों ने 'हेमंत सोरेन जिंदाबाद' और 'जेल का दरवाजा टूटेगा, हेमंत भैया छूटेगा' जैसे नारे लगाए।

दुनिया के सबसे अमीर इस्लामिक मुल्क में बने भव्य मंदिर का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। इस्लाम और शरिया कानून की बात आते ही दिमाग में एक बेहद कट्टरपंथी समाज की तस्वीर बनती है। लेकिन, हमें ध्यान रखना होगा कि पाकिस्तान ही दुनिया में इस्लाम का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इस्लाम मानने वाले सैकड़ों मुल्क हैं। आज हम एक इसतरह के इस्लामिक मुल्क में बन रहे भव्य मंदिर की चर्चा कर रहे हैं। इसका उद्घाटन जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं भारत के करीबी इस्लामिक मुल्क संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई की। यह दुनिया के नक्शे पर कारोबार की दृष्टि से एक सबसे अहम देश है। यहां की करीब 95 फीसदी आबादी शहरी है। यहां पर एक भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है। यह मध्य एशिया में सबसे बड़ा मंदिर है। इस मंदिर की भव्यता का अनुमान आप इससे लगा सकते हैं कि इसकी ऊंचाई 108 फीट, लंबाई 262 फीट और चौड़ाई 180 फीट है। यह मंदिर कुल 27 एकड़ क्षेत्र में बना है। यहां एक साथ करीब 10 हजार लोग पूजा कर सकते हैं। इसमें अयोध्या में बने भव्य राममंदिर की तरह राजस्थान के खास पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है ताकि यूएई की भीषण गर्मी में भी भक्तों को कोई परेशानी न हो। इसका निर्माण बोचासंन्वासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने करवाया है। यूएई में सबसे पहला मंदिर 1958 में बना था। यह यूएई के दुबई में है। यह शिव और कृष्ण का मंदिर है। इसके बाद दुबई के जेबेल अली गांव में एक दूसरा मंदिर बना है। इसका उद्घाटन 2022 में हुआ था। वर्ष 2013 में एक अरबी उद्योगपति ने इस स्वामीनारायम मंदिर के लिए जमीन दान दिया था।

ओडिशा में भाजपा-बीजद का 'गठजोड़' है : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राउरकेला (ओडिशा), 07 फरवरी (वेब वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और बीजू जनता दल (बीजद) के बीच 'गठजोड़' है और कांग्रेस राज्य के लोगों के हितों की रक्षा के लिए बीजद-भाजपा गठजोड़ का विरोध करती रही है। राहुल ने यहां ओडिशा के इस्पात शहर के रूप में प्रसिद्ध राउरकेला में अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' फिर शुरू की। उन्होंने कहा, 'आप जानते ही हैं कि ओडिशा में नवीन पटनायक और नरेन्द्र मोदी की साझा सरकार है। दोनों ने हाथ मिलाया है और मिलकर काम करते हैं। मुझे संसद में पता चला कि बीजद, भाजपा का समर्थन करती है। बीजद के लोग भी भाजपा के इशारे पर हमें परेशान करते हैं।'

राहुल ने दावा किया कि अकेली कांग्रेस पार्टी ही ओडिशा के लोगों के लिए बीजद-भाजपा गठजोड़ का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा, 'मैं नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने के लिए ओडिशा आया हूं।' कांग्रेस नेता ने ओडिशा में बीजद सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के 30 लाख लोग आजीविका की तलाश में दूसरे राज्यों में विस्थापित हो गए हैं क्योंकि राज्य सरकार 'उनके लिए काम नहीं कर रही है।' उन्होंने कहा, '30 लाख लोगों के अपनी आजीविका के लिए दूसरे राज्यों में विस्थापित होने के साथ ही ओडिशा से बाहर के 30 करोड़पति राज्य की संपदा को लूटने के लिए यहां आए हैं।'

राहुल ने कहा कि ओडिशा में आदिवासियों की बड़ी आबादी है लेकिन सरकार राज्यों में दलितों के साथ ही उनकी भी 'उपेक्षा' कर रही है। उन्होंने कहा, 'मैं यहां छह-सात घंटे आपके 'मन की बात' सुनने आया हूं और केवल 15 मिनट अपनी बात रखूंगा।' उन्होंने कहा कि ओडिशा में सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है क्योंकि उद्योग सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। इससे पहले, राहुल ने वेदव्यास शिव मंदिर में पूजा करने के साथ राउरकेला में अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की फिर शुरूआत की और उदितनगर से यहां पानपोश चौक तक 3.4 किलोमीटर लंबी पदयात्रा शुरू की। उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के ओडिशा प्रभारी अजय कुमार और ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरत पटनायक के साथ लोगों से बातचीत की।

पोल पैनल केआदेश के बाद पवार गुट को मिला नया नाम, एनसीपी शरद चंद्र पवार पर मिली ईसी की सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शरद पवार के एनसीपी गुट के लिए एक नए नाम को मंजूरी दे दी है, इसे 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार' नाम दिया गया है। यह निर्णय उनके गुट द्वारा अपने राजनीतिक समूह के लिए तीन संभावित नाम और प्रतीक प्रस्तुत करने के तुरंत बाद आया। चुनाव आयोग द्वारा मंगलवार को घोषणा किए जाने के बाद कि अजीत पवार गुट ही 'असली एनसीपी' है, शरद पवार गुट को अपने राजनीतिक गठन के लिए नए नाम प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। आयोग ने अजित पवार के नेतृत्व वाले समूह को एनसीपी का चुनाव चिन्ह 'घड़ी' भी आवंटित किया। गौरतलब है कि यह नाम आगामी 27 फरवरी को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए है।

सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार के गुट ने निम्नलिखित नाम प्रस्तावित किए थे- शरद पवार कांग्रेस, एमआई राष्ट्रवादी, शरद स्वाभिमानी और तीन प्रतीक 'चाय का कप', 'सूरजमुखी' और 'उगता सूरज'। जबकि अजित पवार गुट ने फैसले का जश्न मनाते हुए कहा कि बहुमत को प्राथमिकता दी गई है। शरद पवार के खेमे ने इसे लोकतंत्र की हत्या कहा और घोषणा की कि वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। शरद पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट ने कहा कि चुनाव आयोग को अपने फैसले से शर्मिंदा होना चाहिए, उन्होंने कहा कि अजीत पवार ने अपने चाचा और पार्टी के संस्थापक शरद पवार का राजनीतिक रूप से गला घोंट दिया था।

शरद पवार के खेमे के नेता जितेंद्र अहवाद ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि यह होने वाला था। हम यह पहले से ही जानते थे। आज उन्होंने (अजित पवार ने) शरद पवार का राजनीतिक गला घोंट दिया है। इसके पीछे केवल अजित पवार हैं। इसमें शर्मिंदा होने वाला एकमात्र व्यक्ति चुनाव आयोग है। शरद पवार फीनिक्स हैं। वह फिर से राख से उठेगा। हमारे पास अभी भी शक्ति है क्योंकि हमारे पास शरद पवार हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।।

केजरीवाल को झटका, 17 फरवरी को अदालत में पेश होने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाले में जांच कर रही ईडी की शिकायत पर कोर्ट ने दिल्ली के सीएम केजरीवाल को समन भेजा है। जांच एजेंसी ने केजरीवाल को 5 बार समन भेजा था। केजरीवाल इन समन को राजनीति से प्रेरित बताकर अभी तक ईडी के सामने पेश नहीं हुए हैं। ईडी के बार-बार समन करने के बाद भी पेश न होने पर कोर्ट ने केजरीवाल को पेशी का समन जारी किया है। कोर्ट ने केजरीवाल को 17 फरवरी को पेश होने के लिए कहा है। दरअसल, दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी के 5 समन के बावजूद केजरीवाल के पेश न होने के खिलाफ ईडी द्वारा कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया और केजरीवाल को 17 फरवरी को पेश होने का समन जारी किया।

भाजपा में शामिल हुए तमिलनाडु के 15 पूर्व विधायक और एक पूर्व सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के 15 पूर्व विधायक और एक पूर्व सांसद समेत कई नेता बुधवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी इस दक्षिणी राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने की लगातार कोशिश कर रही है। भाजपा में शामिल होने वाले इन नेताओं में अधिकांश भाजपा की पूर्व सहयोगी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और एल मुरुगन तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई की मौजूदगी में इन नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। अन्नामलाई ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा में शामिल होने वाले ये नेता काफी अनुभवी हैं और सभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत करना चाहते हैं।उन्होंने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित है और मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में आएंगे। उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि वे तमिलनाडु में हो रही घटनाओं को देख रहे हैं। द्रविड़ राज्य में अपनी पार्टी के वैचारिक रुख पर मजबूत स्थिति और आरोपित पार्टियों की तीखी आलोचना के कारण युवा नेता ने दावा किया, 'तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के रास्ते पर जा रहा है।' चंद्रशेखर ने कहा कि इतने बड़े स्तर पर पार्टी में शामिल होना तमिलनाडु जैसे राज्य में मोदी की लोकप्रियता को दर्शाता है। तमिलनाडु में भाजपा परंपरागत रूप से कमजोर रही है।

उत्तराखंड विधानसभा में ध्वनि मत से पारित हुआ यूसीसी बिल, सीएम धामी बोले- आधी आबादी को मिलना चाहिए समान अधिकार

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा पेश किया गया समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक सदन में पारित हो गया। विधानसभा में यूसीसी बिल पास होने के बाद उत्तराखंड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इससे पहले मंगलवार को उत्तराखंड सरकार ने विधानसभा में विधेयक पेश किया था, जो आजादी के बाद किसी भी राज्य में इस तरह का पहला कदम था। यह विधेयक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सभी नागरिकों के लिए उनके धर्म की परवाह किए बिना एक समान विवाह, तलाक, भूमि, संपत्ति और विरासत कानून स्थापित करने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया था।

राज्य विधानसभा द्वारा आज समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक पारित होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा देहरादून में पटाखे फोड़े गए। देहरादून में एक पार्टी कार्यक्रम में पार्टी नेताओं द्वारा धामी को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि ये खास दिन है... कानून बन गया है। यूसीसी पारित कर दिया गया है। जल्द ही इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होते ही हम इसे कानून के रूप में राज्य में लागू कर देंगे। उन्होंने कहा कि यह कानून समानता, एकरूपता और समान अधिकार का है। इसे लेकर कई शंकाएं थीं लेकिन विधानसभा में दो दिन की चर्चा से सब कुछ स्पष्ट हो गया। यह कानून किसी के खिलाफ नहीं है। यह उन महिलाओं के लिए है जिन्हें सामाजिक मानदंडों के कारण कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

चर्चा का जवाब देते हुए पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता विवाह, भरण-पोषण, विरासत और तलाक जैसे मामलों पर बिना किसी भेदभाव के सभी को समानता का अधिकार देगी। यूसीसी मुख्य रूप से महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को दूर करेगी। उन्होंने कहा कि यूसीसी महिलाओं के खिलाफ अन्याय और गलत कार्यों को खत्म करने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि मातृशक्ति पर अत्याचार बंद किया जाए। हमारी बहन-बेटियों के साथ भेदभाव बंद किया जाए। आधी आबादी को अब समान अधिकार मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काफी समय बीत गया। हमने अमृत महोत्सव मनाया. लेकिन 1985 के शाह बानो मामले के बाद भी सच को स्वीकार नहीं किया गया। वो सच जिसके लिए शायरा बानो ने दशकों तक संघर्ष किया। वो सच जो पहले ही हासिल किया जा सकता था लेकिन अज्ञात कारणों से नहीं किया जा सका। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जब पूर्ण बहुमत वाली सरकारें थीं तब भी समान नागरिक संहिता लाने के प्रयास क्यों नहीं किये गये? महिलाओं को समान अधिकार क्यों नहीं दिये गये? वोट बैंक को देश से ऊपर क्यों रखा गया? नागरिकों के बीच मतभेदों को क्यों जारी रहने दिया गया? समुदायों के बीच घाटी क्यों खोदी गई?

सपा प्रमुख अखिलेश भी शामिल होंगे भारत जोड़ो न्याय यात्रा में

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव शामिल होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अखिलेश यादव को भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने का न्योता भेजा था। अखिलेश यादव ने कांग्रेस के न्योते पर को स्वीकार कर लिया। उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने की घोषणा की। बता दें कि राहुल गांधी का काफिला 16 फरवरी को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगा। अखिलेश यादव राहुल गांधी का साथ अमेठी या रायबरेली में दे सकते हैं। उन्होंने भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने की सहमति दे दी है।सपा प्रमुख ने कांग्रेस को बधाई देते हुए भारत जोड़ो न्याय यात्रा का निमंत्रण स्वीकार किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा उत्तर प्रदेश की सीमा में दाखिल होकर पीडीए की रणनीति से जुड़ेगी और सपा के 'सामाजिक न्याय' और 'परस्पर सौहार्द' का आंदोलन और आगे ले जाएगी। अखिलेश यादव को उम्मीद है कि टीम इंडिया और पीडीए की रणनीति का गठजोड़ जीत का नया इतिहास लिखेगा।

भारतीय टूरिस्टों के लिए ईरान का वीजा फ्री, माननी होंगी 4 शर्तें

नई दिल्ली । भारतीय टूरिस्टों के लिए अब ईरान का वीजा फ्री हो गया है। लेकिन इसके लिए उन्हें चार शर्तें माननी होंगी। जानकारी के अनुसार ईरान ने मंगलवार को पर्यटन के लिए विमान से वहां आने वाले भारतीयों के लिए अधिकतम 15 दिन के वीजा फ्री एंट्री प्रोग्राम का ऐलान किया है। ईरानी दूतावास ने कहा कि भारतीय नागरिकों के लिए 4 फरवरी से चार शर्तों के तहत वीजा-मुक्त प्रवेश सुविधा शुरू कर दी गई है। बता दें कि ईरान ने इससे पहले दिसंबर में भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, जापान, सिंगापुर और मलेशिया समेत 32 अन्य देशों के लिए एक नए वीजा-मुक्त कार्यक्रम को मंजूरी दी। वहीं ईरान की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि साधारण पासपोर्ट धारक व्यक्तियों को हर छह महीने में एक बार बिना वीजा के अधिकतम 15 दिन के लिए देश में ठहरने की अनुमति दी जाएगी। 4 फरवरी से भारतीय टूरिस्टों के लिए इसे लागू किया जा चुका है। ईरान दूतावास द्वारा जारी नई नीति के साथ भारतीय पर्यटकों को ईरान जाने के लिए वीजा की जरूरत नहीं है। सामान्य पासपोर्ट रखने वाले व्यक्तियों को हर छह महीने में एक बार बिना वीजा के ईरान में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी, जिसमें अधिकतम 15 दिन का प्रवास होगा। ध्यान रखें ?कि 15 दिन की अवधि आगें नहीं बढ़ाई जा सकती। जानकारी मिली है कि वीजा-मुक्त प्रवेश केवल पर्यटन उद्देश्यों के लिए ईरान में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों पर लागू होता है। व्यवसाय या शैक्षिक उद्देश्यों के लिए ईरान जाने वाले भारतीयों को संबंधित श्रेणियों के तहत वीजा के लिए आवेदन करना होगा। जो लोग छह महीने की समय अवधि के भीतर एक से अधिक बार ईरान जाना चाहते हैं, उन्हें वीजा प्राप्त करना अ ?निवार्य होगा। ध्यान रखें कि वीजा-मुक्त प्रवेश केवल उन भारतीय पर्यटकों पर लागू होगा जो हवाई मार्ग से ईरान पहुंचेंगे। तुर्की, अफगानिस्तान, पाकिस्तान या किसी पड़ोसी देश से होकर भूमि मार्ग से ईरान आने वालों को बिना पूर्व वीजा के प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अब गृह मंत्रालय में लगी सुरक्षा में सेंध

नई दिल्ली। संसद के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्रालय की सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया है। गृह मंत्रालय में एक युवक फर्जी दस्तावेज के सहारे घुस गया। दिल्ली पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है और उसे संयुक्त रूप से पूछताछ की जा रही है। कर्तव्य पथ थाने की पुलिस ने फर्जी पहचान पत्र पर नार्थ ब्लाक स्थित गृह मंत्रालय के ऑफिस में घुसने की कोशिश करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम आदित्य प्रताप सिंह है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के कर्तव्य पथ थाने की पुलिस ने फर्जी पहचान पत्र पर नार्थ ब्लाक स्थित गृह मंत्रालय के ऑफिस में घुसने की कोशिश करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम आदित्य प्रताप सिंह है। बताया जा रहा है कि आदित्य किस मकसद से फर्जी आईडी पर घुसा इसकी पुलिस जांच कर रही है। लेकिन फिलहाल इसका कोई टेरर एंगल नहीं पता चला है। लोकसभा में बीते साल 13 दिसंबर को दो युवक दर्शक दीर्घा से डेस्क पर कूदे और कलर स्मॉग निकालने लगे। इस दौरान पूरे हॉल में धुंआ हो गया। वहीं, उनके साथी भी संसद के बाहर इसी तरह का प्रदर्शन कर लगे। आरोपियों ने जांचकर्ताओं को बताया था कि उनका मकसद मणिपुर हिंसा, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करना था।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा राकांपा चुनाव चिन्ह विवाद

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजीत पवार गुट ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय में एक 'केवियट' याचिका दायर कर गुहार लगाई कि इस पार्टी के शरद पवार गुट की ओर से यदि चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी जाती है तो उनका (अजीत) पक्ष भी सुना जाना चाहिए। चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार गुट को वास्तविक एनसीपी घोषित करते हुए चुनाव चिन्ह घड़ी का निशान का हकदार बताया था। अजीत पवार शरद पवार के भतीजे हैं, जिन्होंने पिछले साल महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में शामिल हुए थे। शीर्ष अदालत के समक्ष दायर याचिका में कोई एक तरफा आदेश नहीं पारित करने की गुजारिश की गई है। अजीत पवार गुट ने चुनाव आयोग के समक्ष पेश हलफनामे में एनसीपी के कुल 81 विधायकों में से 57 का समर्थन हासिल हो ने का दावा किया था, जबकि उनके चाचा शरद पवार गुट के साथ मात्र 28 विधायकों का साथ होने की बात कही गई।

कश्मीर घाटी में ठंड का प्रकोप जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में बुधवार को न्यूनतम तापमान शून्य से कम 10.8 डिग्री सेल्सियस और गुलमर्ग में शून्य से कम 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे कश्मीर घाटी में ठंड का प्रकोप जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने बुधवार को बताया कि पहाड़ी इलाकों में भारी हिमपात के कारण कश्मीर घाटी में तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है, जिससे कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान में काफी गिरावट आयी है। यहां का 17 फरवरी तक मौसम शुष्क रहने, 14 फरवरी शाम को बादल छाए रहने और 18-20 फरवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर में हल्का हिमपात और बारिश का अनुमान है। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन के सामान्य तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम है। काजीगुंड का एक दिन पहले दर्ज किए गए तापमान शून्य से कम 2.0 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले काजीगुंड का न्यूनतम तापमान शून्य से कम 3.2 डिग्री सेल्सियस था और कोकेरनाग में पिछली रात के शून्य से कम 2.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान शून्य से कम 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। कुपवाड़ा में पिछली रात के शून्य से कम 3.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान शून्य से कम 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

हरदा विस्फोट कांड के बाद इंदौर में छह पटाखा गोदाम सील, कई गड़बड़ियां मिलीं

इंदौर, । मध्यप्रदेश के हरदा में स्थित पटाखा गोदाम में भीषण विस्फोट के बाद हरकत में आए इंदौर के जिला प्रशासन ने अलग-अलग गड़बड़ियों के कारण पटाखों के छह गोदामों को सील कर दिया है। प्रशासन के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी आशीष सिंह ने संवाददाताओं को बताया, 'हमने पिछले 24 घंटे के दौरान जिले के अलग-अलग इलाकों में पटाखों के छह गोदाम सील कर दिए हैं।' उन्होंने बताया कि इनमें से एक पटाखा गोदाम रिहायशी क्षेत्र में था, जबकि अन्य गोदामों में स्वीकृत सीमा से ज्यादा पटाखों का भंडारण पाया गया और वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम भी नहीं थे। हरदा के पटाखा कारखाने में मंगलवार को भीषण विस्फोट में कम से कम 11 लोगों की जान चली गई और 200 से अधिक व्यक्ति घायल हो गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की दिल्ली मेट्रो की सवारी, स्कूल स्टूडेंट्स से की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार 7 फरवरी को दिल्ली मेट्रो की सवारी की। इसका एक वीडियो समाचार एजेंसी एएनआई ने साझा किया है। राष्ट्रपति मुर्मू के बगल में उनके सुरक्षा अधिकारी थे और वह पीली साड़ी पहने प्रसन्नतापूर्वक बैठी थीं। वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। लोग इसकी तारीफ भी कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने दिल्ली मेट्रो की वायलेट लाइन में यात्रा की, जो कश्मीरी गेट और फरीदाबाद में राजा नाहर सिंह (बल्लभगढ़) के बीच चलती है।

कथित तौर पर, राष्ट्रपति के इस अप्रत्याशित कदम का उद्देश्य शहर के निवासियों के दैनिक जीवन के साथ संबंध स्थापित करना था। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो

में यह खबर कैद हुई, जिसमें राष्ट्रपति को मेट्रो के अंदर बैठे और कुछ अधिकारियों और स्कूली छात्रों के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया। इससे पहले 31 जनवरी को बजट सत्र की शुरुआत में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा था कि सरकार परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर युवाओं की चिंताओं से अवगत है।

बजट सत्र के पहले दिन 31 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया था। राष्ट्रपति मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी मध्य प्रदेश के हरदा में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग में जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया। इस बीच, नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) ने सोमवार को दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर एक इंटरचेंज स्टेशन के साथ नोएडा एक्सटेंशन तक अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी दे दी।

चीन-पाक पर नजर रखने अब भारतीय वायु सेना को मिलेंगे 12 टोही विमान

नई दिल्ली। पाकिस्तान और चीनी सरहदों पर अपनी कड़ी निगरानी करने भारतीय वायु सेना को अब 12 टोही विमान मिलने वाले हैं। इसके लिए भारत ने एक कदम और आगे बढ़ा दिया है। जल्द ही भारत के 12 और एयरक्राफ्ट आसमान में दुश्मनों के विमानों पर नजर रखेंगे। जानकारी के अनुसार भारत अब उन्नत स्वदेशी एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट (स्वदेशी हवाई पूर्व चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली) को विकसित करने और भारतीय वायुसेना में शामिल करने के लिए अब तेजी से कदम उठा रहा है, जो चीन और पाकिस्तान सीमाओं पर सर्विलांस और डिटेक्शन की क्षमताओं को बढ़ावा देगा और साथ ही दुश्मन जेट के साथ हवाई युद्ध के दौरान सीधे लड़ाकू विमानों की मदद करेगा। 12 और टोही विमानों के लिए भारत तेजी से काम कर रहा है। दरअसल, इंडियन एयरफोर्स और डीआरडीओ मिलकर सक्रिय रूप से नेत्र विमान के छह मार्क-1ए के साथ-साथ छह मार्क-2 संस्करण विकसित करने के कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है, जिनमें से तीन नेत्र विमान पहले बनाए गए थे और फरवरी 2017 से शामिल किए गए थे। गौरतलब है कि डीआरडीओ नेत्रा एक भारतीय, हल्के वजन, निगरानी और टोही अभियानों के लिए स्वायत्त मानव रहित हवाई वाहन है। यह संयुक्त रूप से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अनुसंधान द्वारा विकसित किया गया है। टीओआई ने सूत्रों के हवाले से कहा कि रक्षा मंत्रालय अगले सप्ताह 6 मार्क-1ए विमानों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति लेगा, जिसमें ब्राजीलियाई एम्ब्रेयर जेट पर सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किए गए ऐरे एंटीना-आधारित रडार, इलेक्ट्रॉनिक और सिग्नल इंटेलिजेंस सिस्टम को 9 हजार करोड़ रुपए लागत से स्थापित किया जाएगा।

सिद्धरमैया और कई कांग्रेस नेताओं ने केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के कई नेताओं ने कर राजस्व के वितरण में राज्य के साथ हुए 'अन्याय' को लेकर बुधवार को केंद्र के खिलाफ यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार, राज्य के कई सांसद, मंत्री और विधायक शामिल हुए। कांग्रेस का आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों में कर राजस्व में उसके प्रदेश के हिस्से की राशि के हस्तांतरण और सहायता अनुदान

में कर्नाटक के साथ 'अन्याय' किया गया है। विरोध प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार 15वें वित्त आयोग के तहत कर्नाटक को कथित तौर पर हुए 1.87 लाख करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई करे। सिद्धरमैया ने कहा कि यह विरोध भाजपा के खिलाफ नहीं बल्कि कर्नाटक के साथ भेदभाव के खिलाफ है। उन्होंने भाजपा के इस आरोप को खारिज किया कि इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि देश एकजुट रहे, लेकिन दक्षिणी राज्यों के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। सिद्धरमैया ने कहा कि 14वें वित्त आयोग के तहत राज्यों, खासकर कर्नाटक को कर राजस्व बांटने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्मूले को 15वें वित्त आयोग ने बदल दिया था। उन्होंने कहा कि राज्य के राजस्व के नुकसान को रोकने के लिए पुराने फॉर्मूले पर लौटने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे 14वें वित्त आयोग द्वारा इस्तेमाल किए गए फॉर्मूले को अपनाने के लिए वह नए वित्त आयोग को भी एक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। माकपा के दिग्गज नेता और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ 8 फरवरी को दक्षिणी राज्य के प्रति केंद्र की कथित उदासीनता के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

वरुण गांधी इस बार सुल्तानपुर या अमेठी से उतर सकते हैं निर्दलीय

लखनऊ (एजेंसी)। पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी इस बार सुल्तानपुर या अमेठी से चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। चुनाव में कांग्रेस व सपा उनका समर्थन करने वाली है। बता दें कि अपनी ही सरकार को घेरने वाले वरुण गांधी को पार्टी टिकट देगी या नहीं, इस पर संशय बना हुआ है। साथ ही इस बार का चुनाव कहां से लड़ेंगे, इसको लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। सूत्रों ने बताया है कि वरुण गांधी निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो उन्हें कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों का ही समर्थन भी मिल सकता है। वरुण गांधी मौजूदा समय में पीलीभीत से बीजेपी के टिकट पर सांसद हैं। सूत्रों की मानें तो वरुण गांधी 2024 का लोकसभा चुनाव या तो अमेठी से या फिर सुल्तानपुर सीट से लड़ सकते हैं। बता दें कि सुल्तानपुर सीट से उनकी मां मेनका गांधी वर्तमान में बीजेपी के टिकट पर सांसद हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में मेनका गांधी केंद्र में मंत्री भी थीं, लेकिन दूसरे कार्यकाल में उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया। इसके बाद से ही मेनका और वरुण गांधी पार्टी के कार्यक्रमों से भी दूर ही नजर आए।

हालांकि मेनका गांधी की तरफ से इस को लेकर कोई बयान तो नहीं आया, बहरहाल वरुण गांधी प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र सरकार पर सवाल खड़े करते दिखे। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि वरुण गांधी को क्या पार्टी टिकट देगी या नहीं? इस बीच वरुण गांधी लगातार अपने संसदीय क्षेत्र पीलीभीत भी पहुंचते रहे हैं। हाल ही में वे पीलीभीत पहुंचे थे, जहां उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि आज देश को एक ईमानदार नेतृत्व की जरूरत है। साथ ही उन्होंने पीलीभीत को अपना परिवार बताया।

अपनी मांगों को लेकर फिर निकले किसान, प्रशासन को लगाना पड़ी धारा 144

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर किसान सड़क पर आ रहे हैं। इसके लिए उन्होंने आज और कल यानी 7-8 फरवरी को बड़ा प्रदर्शन करने की घोषणा की है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में किसानों के बड़े विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर गौतम बुद्ध नगर पुलिस प्रशासन ने 7 और 8 फरवरी को जिले में धारा 144 लागू कर दी है। पुलिस ने एक ट्रैफिक एडवाइजरी भी जारी की है, जिसमें किसानों के ट्रैक्टर मार्च निकालने को लेकर यात्रियों को नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कुछ सड़कों पर मार्ग परिवर्तन के प्रति बताया गया है।जानकारी के मुताबिक, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में किसानों के विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने मंगलवार को कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत 7 और 8 फरवरी को प्रतिबंध लागू रहेंगे। पुलिस ने एक यातायात परामर्श भी जारी किया है, जिसमें किसानों के आंदोलन के मद्देनजर यात्रियों को दोनों शहरों में कुछ मार्गों पर बदलाव के प्रति आगाह किया गया।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में किसान समूह दिसंबर 2023 से स्थानीय विकास प्राधिकरणों द्वारा अधिग्रहीत अपनी भूमि के बदले अधिक मुआवजे और विकसित भूखंडों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी किसान समूहों ने अपनी मांगों पर दबाव बनाने के लिए बुधवार को किसान महापंचायत और गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में संसद तक मार्च का आह्वान किया है। यातायात विभाग ने जनता को दादरी, तिलपता, सूरजपुर, सिरसा, रामपुर-फतेहपुर और ग्रेटर नोएडा की विभिन्न सड़कों पर मार्ग परिवर्तन के बारे में आगाह किया है।आपको बता दें कि किसान संगठन दिसंबर 2023 से नोएडा और ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहीत अपनी जमीनों के बदले बढ़ा हुआ मुआवजा और भूखंड देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति चक्रधारी शरण सिंह ने उड़ीसा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली

कटक (एजेंसी)। न्यायमूर्ति चक्रधारी शरण सिंह ने बुधवार को उड़ीसा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ ली। राज्यपाल रघुबर दास ने पुराने उच्च न्यायालय परिसर में आज आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति सिंह को पद की शपथ दिलायी। न्यायमूर्ति सुभासिस तालापात्रा के 03 अक्टूबर- 2023 को सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति सिंह को मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति बिद्युत रंजन सारंगी मुख्य न्यायाधीश सुभासिस तलपात्रा की सेवानिवृत्ति के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत रहे। शपथग्रहण समारोह में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, पूर्व न्यायाधीश तथा उच्च गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। दिल्ली विश्वविद्यालय (कैंपस लॉ सेंटर) से एलएलबी की डिग्री प्राप्त करने के बाद न्यायमूर्ति सिंह 30 अक्टूबर 1999 को एक वकील के रूप में नामांकित हुए थे। वर्ष 1998 में उन्हें केंद्र सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में नियुक्त किया गया

था और अक्टूबर 2001 तक इस पद पर बने रहे। उन्हें पटना उच्च न्यायालय में महालेखाकार कार्यालय की ओर से मामलों के संचालन के लिए भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा पैनल वकील के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होने 2006 में मध्यस्थ के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया था और उन्हें पटना उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया गया था।

'यह सभी समुदायों पर लागू होने वाला एक हिंदू कोड है', उत्तराखंड के यूसीसी बिल पर भड़के असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आज कहा कि प्रस्तावित कानून और कुछ नहीं बल्कि सभी समुदायों पर लागू होने वाला एक 'हिंदू कोड' है। उन्होंने दावा किया कि विधेयक में हिंदुओं और आदिवासियों को छूट दी जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह संहिता मुसलमानों को एक अलग धर्म और संस्कृति का पालन करने के लिए मजबूर करती है, जो संविधान में निहित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। एक्स पर ओवैसी ने लिखा कि उत्तराखंड यूसीसी बिल और कुछ नहीं बल्कि सभी के लिए लागू एक हिंदू कोड है। सबसे पहले, हिंदू अविभाजित परिवार को छुआ नहीं गया है। क्यों? यदि आप उत्तराधिकार और विरासत के लिए एक समान कानून चाहते हैं, तो हिंदुओं को इससे बाहर क्यों रखा गया है? क्या कोई कानून एक समान हो सकता है यदि वह आपके राज्य के अधिकांश हिस्सों पर लागू नहीं होता है उन्होंने कहा कि यूसीसी में द्विविवाह, हलाला, लिव-इन रिलेशनशिप नियमों के बारे में बात हो रही है लेकिन कोई भी इस तथ्य के बारे में बात नहीं कर रहा है कि हिंदू अविभाजित परिवार को बाहर रखा गया है। ओवैसी ने कहा कि अगर आदिवासियों को कोड से बाहर रखा गया है तो इसे एक समान नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि अन्य संवैधानिक और कानूनी मुद्दे भी हैं। आदिवासियों को बाहर क्यों रखा गया है? यदि एक समुदाय को छूट दी गई है तो क्या यह एक समान हो सकता है, अन्य संवैधानिक और कानूनी मुद्दे भी हैं। आदिवासियों को बाहर क्यों रखा गया है? यदि एक समुदाय को छूट दी जाए तो क्या यह एक समान हो सकता है? एआईएमआईएम नेता ने कहा कि यह संहिता मुसलमानों को दूसरे धर्मों की संस्कृति का पालन करने के लिए मजबूर करती है। ओवैसी ने कहा कि विधेयक केवल संसद द्वारा अधिनियमित किया जा सकता है क्योंकि यह शरिया अधिनियम, हिंदू विवाह अधिनियम, एसएमए, आईएसए का खंडन करता है।

कागजों पर हुआ मस्जिद का काम, रमजान के बाद रखेंगे नींव

-विवाद खत्म होने के बाद अयोध्या में मंदिर तो बन गया, लेकिन मस्जिद अब बनेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या में दशकों पुराना विवाद खत्म होने के बाद यहां भव्य राम मंदिर तो तैयार हो गया है, मगर उस जगह पर मस्जिद का काम शुरु ही नहीं हुआ है, जिसके निर्माण के लिए सुप्रीम कोर्ट ने साल 2019 में आदेश दिया था। बताया जा रहा है कि म?स्जिद का काम फिलहाल कागजों पर हो गया है, बाकी रमजान के बाद नींव रखी जाएगी। दरअसल, अयोध्या जिले के धन्नीपुर में बाबरी के बदले बनने वाली मस्जिद का नाम पैगंबर के नाम पर 'मुहम्मद बिन अब्दुल्ला मस्जिद' रखा गया है। मिली जानकारी के अनुसार धन्नीपुर में प्रस्तावित मस्जिद की जमीन पर जल्द शुरू होगा। बताया जा रहा है कि रमजान के बाद मस्जिद की नींव रख दी जाएगी। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के सीनियर अधिकारी की मानें तो अयोध्या में भव्य मस्जिद का निर्माण इसी साल मई से शुरू कर दिया जाएगा और इसे पूरा होने में तीन-चार साल लगने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि रमजान के बाद मई महीने में एक शुभ मुहूर्त देखकर मस्जिद की नींव रख दी जाएगी।

हालांकि अब तक तारीख को लेकर कोई खुलासा नहीं हुआ है। अयोध्या में बनने वाली मस्जिद के प्रोजेक्ट की देखरेख कर रहे इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन की विकास समिति के प्रमुख हाजी अराफात शेख के मुताबिक मस्जिद के लिए पैसे जुटाने के लिए एक क्राउड-फंडिंग वेबसाइट लॉन्च की जाएगी। गौरतलब है कि राम मंदिर के लिए भी क्राउड फंडिंग हुई थी और रामभक्तों ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट और बैंक अकाउंट के जरिए दान किया था। दरअसल अयोध्या में राम मंदिर और मस्जिद को लेकर साल 2019 में एक ही वक्त में फैसला आया। अब सवाल उठता है कि अयोध्या में राम मंदिर बन गया, मगर मस्जिद की अब तक नींव भी क्यों नहीं रखी गई? इसे लेकर आईआईसीएफ यानी इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के सचिव अतहर हुसैन ने बताया कि मस्जिद के निर्माण में इस कारण देरी हुई है, क्योंकि वे डिजाइन में और ज्यादा पारंपरिक तत्व जोड़ना चाहते हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने श्रीराम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर साल 2019 में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने विवादित स्थल को हिन्दू पक्ष को सौंपने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि विवादित भूमि पर राम मंदिर बनाया

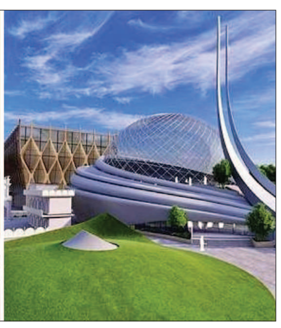

जाएगा, वहीं मुस्लिम पक्ष को मस्जिद के निर्माण के लिए 5 एकड़ जमीन अलग जगह पर प्रदान की जाएगी, जो कि धन्नीपुर मस्जिद स्थल नवनिर्मित राम मंदिर से करीब 22 किमी दूर है। हाजी अरफात शेख ने कहा कि नई मस्जिद भारत की सबसे बड़ी मस्जिद होगी, जिसके लिए मक्का के इमाम इस मस्जिद का शिलान्यास करने आएंगे। मस्जिद परिसर में चिकित्सा, शैक्षिक और अन्य सामाजिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

पाकिस्तान में चुनाव से पहले दो-दो ब्लास्ट, 27 लोगों की हुई मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में चुनाव से एक दिन पहले बलूचिस्तान में दो ब्लास्ट हुए। पहला धमाका पिशिन शहर में हुआ। इसमें 15 लोगों की मौत हुई और 30 घायल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह धमाका निर्दलीय उम्मीदवार असफंद यार खान काकड़ के ऑफिस के बाहर हुआ। धमाके के दौरान काकड़ दफ्तर में मौजूद नहीं थे। वहीं, दूसरा धमाका बलूचिस्तान के ही किला सैफुल्लाह में जेयूआई-एफपार्टी के कैंडिडेट मौलाना अब्दुल वासे के ऑफिस के बाहर हुआ। हालांकि इस हमले में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 10 घायल हुए हैं। दोनों धमाकों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव और सभी प्रांतों में चुनाव है। बलूचिस्तान के केयरटेकर सूचना मंत्री जन अचकजई ने बताया कि पहला धमाके की प्राइमरी इन्वेस्टिगेशन से पता चला है कि विस्फोटक सामान एक बाइक में रखा था। इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, दूसरे धमाके की वजह सामने नहीं आई है।

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स को कैंसर हुआ

इंग्लैंड । ब्रिटेन के महाराजा किंग चार्ल्स को कैंसर हुआ है। बकिंघम पैलेस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पैलेस ने एक बयान जारी कर बताया कि किंग चार्ल्स की सभी पब्लिक मीटिंग्स को कुछ समय के लिए टाल दिया गया है। पैलेस ने यह भी कहा कि किंग चार्ल्स अपने ट्रीटमेंट को लेकर बेहद सकारात्मक हैं। 75 साल के किंग चार्ल्स पिछले महीने ही तीन दिन के लिए अस्पताल में भर्ती थे। उनका प्रोस्टेट का ऑपरेशन हुआ था। उस समय उनके शरीर में किसी अन्य बीमारी के लक्षण दिखाई दिए थे। सोमवार को पैलेस ने बताया कि उन लक्षणों की जांच में एक प्रकार के कैंसर की पुष्टि हुई है। हालांकि, पैलेस ने यह भी बताया कि ये प्रोस्टेट कैंसर नहीं है।

बाइडेन का फिर मजाक उड़ा

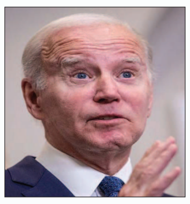

लास वेगास । अमेरिकी राष्ट्रपति की मेंटल फिटनेस पर एक बार फिर सवालिया निशान लगे हैं। नेवादा में डेमोक्रेटिक पार्टी के दौरान बाइडेन ने कई मिनिट तक फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रेंकोइस मिटरेंड से बातचीत का जिक्र किया। फ्रेंकोइस का 1996 में निधन हो चुका है। इस बीच एनबीसी न्यूज का एक नया सर्वे सामने आया है। इसके मुताबिक-प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट की पॉपुलैरिटी रेस में इस वक्त बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से दोगुने वोट से पिछड़ रहे हैं। ट्रम्प रिपब्लिकन पार्टी में भी सबसे आगे चल रहे हैं।

जापान में बर्फजाल में फंसी 13 किलर व्हेल्स

टोक्यो । उत्तरी जापान के होकाइदो के पास 13 किलर व्हेल्स बर्फ के बीच में फंस गई हैं। क्योंकि नीचे भी बर्फ काफी ज्यादा है। इसकारण उन्हें रेस्क्यू करना मुश्किल है, क्योंकि बर्फ को तोड़कर वहां तक जाना पड़ेगा। 6 फरवरी 2024 की सुबह करीब 13 किलर व्हेल्स यानी ओर्का होकाइदो परफेक्टर के राउसू कस्बे में जमी बर्फ में फंस गईं। ये तैरती हुई बर्फ कहीं ऊंची कहीं नीची है। ये स्थिति समंदर के ऊपर भी है और नीचे भी। इसकारण ये मछलियां इस बर्फजाल से बाहर निकल नहीं पा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना 6 फरवरी की सुबह साढ़े आठ बजे के आसपास की है। पहले 10 व्हेल्स फंसी थीं। बाद में उसमें तीन और आकर फंस गईं। इनका वीडियो स्थानीय मछुआरों ने बनाया जो किसी तरह से उस इलाके में मछलियां पकड़ने गए थे। जिस बर्फजाल में ये मछलियां फंसी हैं, उसकी लंबाई-चौड़ाई एक किलोमीटर से ज्यादा है। ये मछलिया समंदर में तट से एक किलोमीटर दूर हैं। परेशानी ये है कि इस समय यहां का समंदर तैरते हुए मल्टी-लेवल बर्फ की परत से ढंका हुआ है। व्हेल्स तक जाकर उन्हें निकालना आसान रेस्क्यू नहीं होगा। वहीं मौसम विभाग ने सलाह दी है कि अगले 24 घंटों में समंदर की गर्मी की वजह से ये बर्फ थोड़ी और फैलेगी। तब ये मछलियां खुद से बाहर निकल आएगी। प्रो. मारी ने कहा कि तैरती हुई बर्फ का जाल इतनी आसानी से नहीं टूटता। न ही पिघलता है। क्योंकि उस बाहर की ठंडी हवा मजबूत करती है। ये बेहद सामाजिक प्राणी होते हैं। समूह में रहते हैं। परिवार का ख्याल रखते हैं। बड़ी किलर व्हेल्स अपने बच्चों को छोड़कर कहीं नहीं जाएगी।

'कृपया मेरी मदद करें...शिकागो में हमला किए गए भारतीय छात्र ने जारी किया वीडियो, पत्नी ने जयशंकर को लिखा पत्र

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में कथित तौर पर हमले का शिकार हुए एक भारतीय छात्र ने रविवार को मदद की गुहार लगाते हुए कहा कि उस पर चार लोगों ने हमला किया और लूटपाट की, जिन्होंने उसे लात और मुक्कों से पीटा। हैदराबाद में रहने वाली उनकी पत्नी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर उनका इलाज कराने में सहायता का अनुरोध किया है। इंडियाना वेस्लीयन यूनिवर्सिटी में मास्टर डिग्री के छात्र सैयद मजाहिर अली का एक वीडियो, जिसके चेहरे से काफी खून बह रहा है और वह मदद मांग रहे हैं, सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया है, साथ ही एक सीसीटीवी क्लिप भी है जिसमें एक व्यक्ति का चेहरा ढके हुए तीन लोगों द्वारा पीछा किया जा रहा है। उनकी पत्नी सैयदा रुकुलिया फातिमा रिजवी ने जयशंकर को लिखे पत्र में कहा कि उन्हें 4 फरवरी को शाम 6 बजे उनके पति के दोस्त का फोन आया कि मजाहिर अली पर शिकागो में उनके आवास के पास बहुत बुरी तरह हमला किया गया और उन्हें लूट लिया गया। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्होंने बाद में अपने पति से संपर्क किया। उन्होंने मंत्री से अपने पति के इलाज में मदद करने और उनके और उनके तीन नाबालिग बच्चों के लिए अमेरिका में उनके साथ शामिल होने के लिए यात्रा व्यवस्था में सहायता के लिए अनुरोध किया। वीडियो में घबराए मजाहिर अली ने उस दर्दनाक अनुभव का वर्णन किया जब उनके माथे, नाक और मुंह पर खून लगा हुआ था। मैं खाना लेकर सड़क पर जा रहा था, तभी चार लोगों ने मुझे पकड़ लिया और लात-घूंसों से पीटा। किसी ने मेरा फोन भी ले लिया। एक मीडिया हाउस को दिए साक्षात्कार के एक अन्य वीडियो क्लिप में उन्होंने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे मैं भूल नहीं सकता। उसने मुझ पर बंदूक तान दी. मेरे सिर पर दो घाव हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पड़ोसी के सीसीटीवी से निगरानी फुटेज के अनुसार, हमलावर कार से बाहर कूद गए और किसी पीड़ित का इंतजार करने लगे।

स्पेन में बढ़ती हुई कीमतों और करों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान किसानों ने एपी हाइवे को जाम कर दिया।

भारत से केले और पपीता खरीदना चाहता है रूस, अमेरिका और इक्वाडोर की डील के बाद चर्चा हुई तेज

वाशिंगटन। भू-राजनीतिक तनाव के कारण व्यापार संबंधों में बदलाव के तहत रूस ने पहले उसके केला के आपूर्तिकर्ता इक्वाडोरके साथ मतभेद के बीच भारत से केले की खरीद शुरू की है। यह कदम संयुक्त राज्य अमेरिका से परिष्कृत हथियारों के लिए रूस निर्मित सैन्य उपकरणों का आदान-प्रदान करने के इक्वाडोर के फैसले के मद्देनजर आया है। जनवरी में रूस को भारत से केले की पहली खेप मिली, जिसकी डिलीवरी फरवरी के अंत में होनी थी। रूसी कृषि निगरानी संस्था, रोसेलखोज़्नादज़ोर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि रूसी बाजार में भारतीय केले के निर्यात की मात्रा बढ़ेगी, जो भारतीय केले के आयात पर बढ़ती निर्भरता का संकेत है। अपने पर्याप्त केले उत्पादन के लिए पहचाने जाने वाले भारत ने रूस को आम, अनानास, पपीता और अमरूद जैसे अतिरिक्त फल निर्यात करने की इच्छा भी दिखाई है। रोसेलखोज़्नदज़ोर ने हाल ही में कीट पाए जाने के कारण इक्वाडोर की पांच कंपनियों से केले का आयात रोक दिया है। हालाँकि, इक्वाडोर के खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने इसका विरोध करते हुए कहा कि रूस को भेजे गए शिपमेंट के केवल एक छोटे से हिस्से में कीड़े थे, जिससे कोई महत्वपूर्ण खतरा नहीं था। हालाँकि रूसी अधिकारियों ने भारत से केले आयात करने के निर्णय को सीधे तौर पर इक्वाडोर और अमेरिका से जुड़े राजनयिक घर्षण से नहीं जोड़ा है, लेकिन जिन देशों के साथ उसकी असहमति है, उनसे खाद्य आयात को सीमित करने का रूस का दृष्टिकोण अच्छी तरह से प्रलेखित है।

मुकदमों में छूट से इनकार करने वाले अपीलीय अदालत के आदेश को चुनौती देंगे ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपीलीय अदालत के उस फैसले के खिलाफ अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करने का फैसला किया है, जिसने उनके सभी राष्ट्रपति प्रतिरक्षा बचाव को खारिज कर दिया था। यह देखते हुए कि चुनाव सिर्फ 10 महीने दूर हैं, अपील अदालत ने देरी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए एक समय सीमा निर्धारित की।

अपील अदालत की समय सीमा को ध्यान में रखते हुए ट्रम्प शीघ्र ही शीर्ष अदालत में अपील कर रहे हैं। अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग के एक बयान के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति इस फैसले से 'सम्मानपूर्वक असहमत' हैं। चेउंग ने कहा कि 'पूर्ण प्रतिरक्षा के बिना, अमेरिका का राष्ट्रपति ठीक से काम नहीं कर पाएगा।'

ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे, जहां वह उम्मीद कर सकते हैं कि रूढ़िवादी बहुमत - जिनमें से तीन सदस्य उन्होंने नियुक्त किए हैं - उनके पक्ष में फैसला सुनाएंगे।

संघीय अपील अदालत ने मंगलवार को आपराधिक आरोपों के चलते राष्ट्रपति की छूट हासिल करने की ट्रम्प की क्षमता को नकारने का फैसला सुनाया, जो पूर्व राष्ट्रपति के लिए नया कानूनी झटका

है। भले ही वह 2024 के चुनाव में सबसे संभावित जीओपी उम्मीदवार बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, निक्की हेली के रूप में आखिरी महिला उसके सामने डटी हुई हैं।

डी.सी. सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय के तीन-न्यायाधीशों के पैनल द्वारा सर्वसम्मत निर्णय में कहा गया कि ट्रम्प 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को पलटने के अपने प्रयासों और 6 जनवरी 2021 को कैपिटल (जहाँ अमेरिकी संसद स्थित है) में हिंसक विद्रोह से जुड़े आरोपों के खिलाफ बचाव के रूप में प्रतिरक्षा का आह्वान नहीं कर सकते।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पैनल ने 'पूर्व राष्ट्रपतियों के संघीय आपराधिक मुकदमों के लिए एक स्पष्ट बचाव के रूप में और ट्रम्प के विशेष मामले में लागू होने पर' प्रतिरक्षा के लिए सभी तीन संभावित आधारों को खारिज कर दिया।

डीसी में अपील न्यायालय ने यह फैसला सुनाते हुए कि प्रतिरक्षा पर निर्णय लेना उसके अधिकार क्षेत्र में है, उन प्रमुख आधारों को खारिज कर दिया जिन पर ट्रम्प की कानूनी टीम ने अपना बचाव किया था, जिससे यह मुद्दा पूरी तरह से विफल हो गया।

अदालत की राय थी, 'अभियोग में आरोप लगाया गया है कि ट्रम्प ने सामान्य प्रयोज्यता के आपराधिक कानूनों का उल्लंघन किया है।'

'ट्रम्प के पास संघीय आपराधिक कानून की अवहेलना करने के लिए कोई कानूनी विवेकाधीन अधिकार नहीं है और वह अपने आचरण के लिए अदालत में जवाबदेह हैं।'

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप के सामने दो विकल्प हैं। पहला विकल्प दोबारा सुनवाई के लिए कहने का है, और दूसरा डीसी में फुल सर्किट कोर्ट से मामले पर पुनर्विचार करने या सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए कहने का। ट्रम्प द्वारा प्रयोग किए जाने पर ऐसे विकल्प मामले को लटकाने में सफल होंगे। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि अपील पैनल ने उस संभावना पर विचार किया है और ऐसी देरी को रोकने के लिए कदम उठाया है।

अदन की खाड़ी में एक ही दिन में दो जहाजों पर हूती विद्रोहियों का ड्रोन अटैक, अमेरिका से आ रहा था भारत

वाशिंगटन (एजेंसी)। मध्य पूर्व के जल क्षेत्र में यात्रा कर रहे दो जहाजों पर संदिग्ध यमन समर्थित हूती विद्रोही ड्रोन द्वारा हमला किया गया। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने कहा कि पहला हमला लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में, होदेइदा के यमनी बंदरगाह के पश्चिम में हुआ। जिसमें पुल पर जहाज की खिड़कियों को मामूली क्षति हुई। इसमें कहा गया है कि हमले से पहले एक छोटा जहाज जहाज के पास था। निजी सुरक्षा फर्म एंब्रे ने जहाज की पहचान बारबाडोस-ध्वजांकित, यूनाइटेड किंगडम के स्वामित्व वाले मालवाहक जहाज के रूप में की। कंपनी ने कहा कि जहाज पर सवार किसी को भी चोट नहीं आई।

यूकेएमटीओ ने बताया कि मंगलवार को यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन के पास एक दूसरे जहाज पर हमला हुआ। एंब्रे ने इसकी पहचान मार्शल आइलैंड्स-ध्वजांकित, ग्रीक स्वामित्व वाले जहाज के रूप में की जो अमेरिका से भारत की ओर आ रहा था। एंब्रे ने कहा कि जहाज ने अपने स्टारबोर्ड की ओर से 50 मीटर दूर एक विस्फोट की सूचना दी। कोई चोट या क्षति की सूचना नहीं मिली। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के एक सैन्य प्रवक्ता, ब्रिगेडियर। जनरल याह्या सारी ने एक बयान में दावा किया कि विद्रोही बलों ने लाल सागर में दो अलग-अलग जहाजों, एक अमेरिकी और एक ब्रिटिश, पर हमला किया। उन्होंने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया।

हूतियों ने अदन के तट पर हमले के बारे में कोई दावा नहीं किया। द मॉर्निंग टाइड के मालिक, ब्रिटिश फर्म फुराडिनो शिपिंग ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हमले में कोई भी हताहत नहीं हुआ और जहाज सिंगापुर की ओर आगे बढ़ रहा है। नवंबर के बाद से, हमास के खिलाफ गाजा में इजरायल के हमले को लेकर विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाजों को बार-बार निशाना बनाया है। लेकिन उन्होंने अक्सर उन जहाजों को निशाना बनाया है जिनका इजराइल के साथ कमजोर या कोई स्पष्ट संबंध नहीं है, जिससे एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच व्यापार के प्रमुख मार्ग में नौवहन खतरे में पड़ गया है।

अगर चुनाव विवादित रहे तो पाकिस्तान में उथल-पुथल मच जाएगी : रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में गुरुवार को होने वाले 10वें आम चुनाव से पहले इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप (आईसीजी) की एक रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि चुनाव में चाहे कोई भी पार्टी जीते, उसकी वैधता को चुनौती मिलनी तय है। द न्यूज की खबर में रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि प्रक्रिया में खामियों को दूर करने के अवसर तेजी से कम हो रहे हैं, इसलिए चुनाव के दिन मतदान पर विवाद हो सकता है। रिपोर्ट बताती है कि देश में गहरे ध्रुवीकरण के बीच उच्च न्यायपालिका ने यथोचित प्रतिस्पर्धी चुनाव के रास्ते में आने वाली कुछ बाधाओं को दूर कर दिया है, लेकिन दूसरी ओर, चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट का समर्थन मिला है। पीटीआई को एक समान चुनाव चिह्न न दिए जाने से भयंकर विवाद छिड़ गया है। 'पाकिस्तान गहरे राजनीतिक ध्रुवीकरण और पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान की पीटीआई पर सैन्य कार्रवाई के माहौल में आम चुनाव करा रहा है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आईसीजी एशिया के निदेशक हुआंग ले थू ने कहा, 'चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पीटीआई सहित सभी दल चुनाव लड़ें और सभी मतदाता, विशेषकर महिलाएं, अपना मतदान करने में सक्षम हों। एक विवादित मतदान आने वाली सरकार की वैधता को नुकसान पहुंचाएगा, जिससे 'राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता से निपटने के लिए उसके पास पर्याप्त संसाधन नहीं होंगे जिनका आना निश्चित है।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान को बाहरी सहायता के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ एक नया, दीर्घकालिक समझौता महत्वपूर्ण होगा। लेकिन ऐसा समझौता राजनीतिक स्थिरता के अभाव में अर्थव्यवस्था को बचाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं होगा - कुछ ऐसा जो सत्ता के शांतिपूर्ण, विश्वसनीय हस्तांतरण के बिना यह छलावा होगा।'

आतंकियों ने थाने में घुसकर 10 पुलिसकर्मियों को उतारा मौत के घाट

कराची (एजेंसी)। आतंक की फैक्ट्री कहे जाने वाले पाकिस्तान में ही आतंकियों ने एक थाने में घुसकर दस पुलिस वालों को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना में 6 लोग घायल हुए हैं। फिलहाल किसी आतंकी संगठन से हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।पाकिस्तान में पुलिसस्टेशन पर आतंकी हमला हुआ है। सोमवार को एक पुलिस थाने पर भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने लागातार गोलीबारी की और ग्रेनेड से हमला किया। इस हमले में 10 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। वहीं अन्य 6 बुरी तरह घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

अभी तक किसी आंतकी संगठन से हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में दरबान तहसील के चोडवान पुलिस थाने में हुआ। अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। रिपोर्ट के अनुसार, हमला स्थानीय समायानुसार लगभग तीन बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 3.30 बजे) हुआ। सबसे पहले आंतकियों ने निशाना लगाकर सिपाहियों को निशाना बनाया। इसके बाद वे पुलिस स्टेशन में घुस गए। जिसके बाद और अधिक सिपाहियों पर हमला किया।बता दें कि पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होने वाला है। गोलीबारी की खबर से पाकिस्तान के लोग दहशत में हैं। मौके पर भारी फोर्स तैनात है।

मामले में पुलिस उपाधीक्षक मलिक अनीस उल हसन ने कहा, पुलिस स्टेशन की बिल्डिंग में घुसने के बाद आतंकवादियों ने बम का इस्तेमाल किया। जिससे अधिक संख्या में सिपाही घायल हुए। इतना ही नहीं बुधवार को खैबर-पख्तूनख्वा में एक नेशनल असेंबली उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी दिन बलूचिस्तान प्रांत में एक अन्य राजनीतिक नेता की उनकी पार्टी के चुनाव कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिला पुलिस अधिकारी नासिर महमूद ने कहा, "भारी हथियारों से लैस आतंकवादी पहले से घात लगाकर बैठे थे। हमले में हमने अपने 10 जवानों को खो दिया, जबकि छह अन्य घायल हो गए।"

हमास संघर्ष विराम पर राजी, इस्राइल को अमेरिका देगा कतर का संदेश

यरुशलम (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि हमास संघर्ष विराम पर राजी हो गया है। अब इसकी जानकारी इस्राइल को देंगे। बता दें कि हाल ही ब्लिंकन ने युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग करते हुए मध्य पूर्व का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी से मुलाकात की। बता दें कि हमास और इस्राइल के बीच जंग में अब तक दोनों पक्षों के हजारों लोगों की मौत हो गई है। जहां इस्राइल ने हमास को पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया है। वहीं, अब एक अच्छी खबर आई है। कतर का कहना है कि हमास ने गाजा में युद्धविराम की ताजा योजना और बंधकों को छोड़े जाने के मुद्दे पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हाल ही में युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग करते हुए मध्य पूर्व का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद थानी ने बताया कि हमास ने संघर्ष विराम प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

इधर हमास ने पुष्टि की कि उसने कतर और अन्य मध्यस्थों के बीच पेरिस में एक सप्ताह पहले किए गए

प्रस्तावों पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। गौरतलब है कि कतर ने लंबे समय से हमास के साथ मध्यस्थता की है। वह अमेरिका और मिस्र के साथ मिलकर संघर्ष विराम के लिए काम कर रहा है, जिसमें लड़ाई को लंबे समय तक रोकना और गाजा में अभी भी रखे गए 100 से ज्यादा बंधकों को छुड़ाना शामिल है। इधर पीएम थानी ने पत्रकारों को बताया कि हमें बंधकों के संबंध में समझौते को लेकर हमास से जवाब मिला है। जवाब में कुछ टिप्पणियां शामिल हैं, लेकिन सामान्य तौर पर यह सकारात्मक है।

इधर एंटनी ब्लिंकन ने पुष्टि की कि अधिकारियों को हमास की प्रतिक्रिया मिल गई है। वह बुधवार को इस्राइल के नेताओं को देश का दौरा करने पर जानकारी देंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री ने दिन की शुरुआत में मिस्र के अधिकारियों से भी मुलाकात की और सोमवार को वह सऊदी अरब में थे। वह इस्राइल और हमास के बीच युद्धविराम के समझौते पर जोर देने के लिए यह दौरा कर रहे हैं। वहीं अब हमास ने बंधकों के समझौते पर आधिकारिक तौर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। हालां?कि गाजा में लड़ाई रुकने में अभी समय लगेगा।

क्या है इद्दत....जिसकी नाफरमानी के कारण इमरान और बुशरा को हुई 7 साल की सजा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान में गुरुवार को आम चुनाव हैं। इसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गैरकानूनी तरीके से शादी पर 7 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इमरान और उनकी पत्नी बुशरा के खिलाफ इद्दत मैरिज केस में फैसला सुनाकर कहा कि ये शादी गैर-इस्लामिक है। बात दें कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान को चुनाव से पहले एक के बाद एक तीन मामलों में सजा हो गई। ताजा केस अवैध शादी का है। मामले को खुद बुशरा के पूर्व पति खावर फरीद मानेका कोर्ट तक लेकर गए थे। उनका कहना था कि इमरान से रिश्ते के समय बुशरा का इद्दत का समय चल रहा था। दोनों ने इसी पीरियड में निकाह किया, जो पाकिस्तान पीनल कोड की धारा 496 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

क्या है इद्दत

बात दें कि यह इंतजार की अवधि है। इसका पालन किसी महिला को तब करना होता है, जब उसके शौहर की मौत हो जाए। इस दौरान महिला एक निश्चित वक्त तक शादी नहीं कर सकती है। ये समय करीब 4 महीने लंबा होता है। तलाक के बाद भी ये वेटिंग पीरियड मानना जरूरी है। इस अवधि को कुरू कहते हैं, हालांकि बोलचाल में इद्दत ही कहा जाता है। दरअसल इद्दत का मुख्य उद्देश्य ये सुनिश्चित करना है कि इस दौरान महिला गर्भवती नहीं। अगर इद्दत का समय पूरा किए बगैर महिला शादी कर ले और इसके बाद प्रेग्नेंसी सामने आए तब ये हो सकता है कि बच्चे की वैधता पर शक हो। इसी शक को दूर करने के लिए इद्दत की अवधि लंबी रखी गई ताकि प्रेग्नेंसी (अगर हो तो) पता लग जाए। इसमें ये भी है कि गर्भवती होने पर महिला बच्चे के जन्म तक नई शादी नहीं कर सकती।

संपादकीय

दो पाठ

हमारे जीवन के दो खरे पाठ यह है कि हमारे जीवन में सीखने की सदैव चाह रहनी चाहिये और दूसरा दृढ़ संकल्प के साथ मनोबल रखते हुए हम आगे बढ़ते जाये तो हमको सफल होने को कोई नहीं रोक सकता है । हम अक्सर दूसरों में कमिया देखते हैं, लेकिन जिस के काम में कुछ गलत लगें तों हमें बिना प्रचारित किये स्वंय उन्हें जताना चाहिये और हमें अगर सभी में दोष लगें तो हमें दूसरों को गलत साबित करने की अपेक्षा अपने स्वयं में बदलाव लाने का प्रयत्न करें, सबसे अधिक ज्ञानी वही है जो अपनी कमियों को समझकर उनका सुधार कर सकता हो ।अत: बदलाव ही जीवन का सार है, जहाँ बदलाव नहीं वहां जीवन नहीं ।यदि किसी के मन में सीखने की लगन ना हो तो कोई भी उसे नहीं सिखा सकता क्योंकि फूंक मारकर आप उस ढेर को तो जला सकते है जिसमें चिंगारी हो पर राख के ढेर मे फूंक मारकर आप रोशनी की आशा नहीं कर सकते। जीवन में कुछ कर गुजरने का जज्बा होना जरूरी होता है । दृढ़ मनोबल संकल्प हो वहां उम्र बाधक नही बन सकती ।आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी 9वां दशक पूरा होने को थे और कितने सक्षम थे अंतिम क्षणों वे इसका एक साक्षात उदाहरण थे । आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी की जो संकल्प शक्ति इच्छा शक्ति थी वह हम सबको आगे बढ़ने को प्रेरित कर रही है कुछ कर गुजरने कीप्रेरणा दे रही है । हमें अपनी काबिलियत पर विश्वास होना चाहिए कि हम क्या किसी से कम है ।हम चाहे तोसब कुछ कर सकते हैं आत्मविश्वास को बरकरार रखने से। निरन्तर प्रयास और अभ्यास से सफलता हमको जरूर मिलती है ,हमारी निष्ठा मजबूत होनी चाहिए,श्रद्धा डगमगाये नहीं हमारी,ये हमारे लिए काम्य है।निरन्तरता सफलता का बहुत बड़ा सोपान है आत्मविश्वास के साथ।सचमुच जीवन के यह दो विराट पाठ हमारे जीवन का अमृत है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

गांधी परिवार का वर्चस्व स्वीकारने से परहेज

राजेश रामचंद्रन

लंबे अर्से से नेहरू-गांधी परिवार और सत्ता सुख में भागीदारी पाने के चाहवान कांग्रेसजनों के बीच एक तरह का समझौता रहा है। परिवार अपने खेमेदार और अनुचरों को ताकतवर पद देने की गारंटी देता है, निम्नतम स्तर पर निगम पार्षद से लेकर शीर्षस्थ स्तर पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करने तक। बदले में, कांग्रेस का प्रथम परिवार उनसे पूर्ण वफादारी और समूचे कांग्रेस राजनीतिक उद्यम पर अपने लिए निर्विवाद मिल्कियत चाहता है। यहां, गांधियों का रुतबा इहलोक के 'शेष एक समान में प्रथम' वाला न होकर, इतिहास में राजा को दिव्य पुरुष मानकर उसके समक्ष करबद्ध रहने जैसा है। यह समझौता प्रथम प्रधानमंत्री के साथ शुरू हुआ था, जोकि स्वाधीनता संग्राम में अपनी भूमिका के कारण वैध वसीयतदार और राष्ट्र-निर्माण मिशन के सबसे कद्दावर झंडाबरदार बनकर उभरे थे। नेहरू के बरक्स उनकी पुत्री इंदिरा गांधी को कांग्रेस से दो बार निष्कासित किया गया, दोनों मर्तबा उन्होंने अपनी पार्टी बना ली थी और लंबे समय तक सफलता पाने वाला बनाया। अतएव, इंदिरा गांधी के साथ ताकत का सुख चाहने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं का समझौता निजी कारणों से रहा और जल्द ही यह समझौता पारिवारिक विरासत में तब्दील हो गया। राजीव और सोनिया के बाद, अब उनके बच्चे बतौर उत्तराधिकारी यह समझौता जारी रखने की कोशिश में लगे हुए हैं, बिना यह अहसास किए कि समझौते के हालात बदल चुके हैं और शामिल पक्षों के भी। सर्वप्रथम, राहुल गांधी की कांग्रेस अपने बूते पर एक निगम पार्षद तक को जितवाने की गारंटी नहीं दे सकती, लोकसभा में 272 सीटें पाना तो दूर। वास्तव में, हो सकता है राहुल गांधी को चुनावी जीत के लिए पारिवारिक गढ़ कही जाने वाली अमेठी सीट छोड़कर, केरल के मुस्लिम बहुल वायनाड़ लोकसभा क्षेत्र में पुनः शरण लेनी पड़े। हिमाचल प्रदेश में चर्चा चली हुई है कि शायद सूबे के कोटे से राज्यसभा में सोनिया या प्रियंका को भेजा जाए, यह फिर से, रायबरेली सीट परिवार की पकड़ से फिसलने के भय का प्रतीक है। साल 2019 में सोनिया गांधी की जीत का अंतर 2014 के चुनाव से आधा रह गया था। इसलिए, प्रथम परिवार अपनी अजेयता और पारलौकिक आभामंडल गंवा बैठा है। अब तो यह मात्र एक निराला, मशहूर राजनीतिक परिवार है, जो चार पीढ़ियों तक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर सत्ता में बना रहा (यदि मोतीलाल नेहरू को गिन लें तो देश की राजनीति में शीर्षस्थ रही पांचवीं पीढ़ी), परंतु वर्तमान में वह है जो निजी करिश्मे से न तो खुद का रिवायती चुनावी क्षेत्र जीत पाए, न ही राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को जीत दिला सके। समझौते का आधार तत्व बदल चुका है। तथापि, गठबंधन साझीदारों से गांधी इस तरह बर्ताव करना चाहते हैं जैसा कि वे अपने पारिवारिक कृपापात्रों के साथ करते आए हैं। गांधियों के नामज़द मल्लिकार्जुन खड़गे को जो भाए, जरूरी नहीं वह नीतीश कुमार या ममता बनर्जी या एचडी देवेगौड़ा को भी सुहाए। नीतीश कुमार का एक बार फिर गुलाटी मारकर इंडिया नामक गठबंधन छोड़ना और भाजपा-नीत एनडीए में पुनः शामिल होना नवीनतम सबूत है कि राहुल-कांग्रेसजन समझौते सरीखी स्थिति वर्तमान और भावी गठबंधन नेताओं को कबूल नहीं है। उनमें हरेक ने अपनी हैसियत कांग्रेस से राजनीतिक लड़ाई लड़कर पाई है और अपने लिए अलग जगह बनाई है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सीताराम केसरी को लेकर बहुत सी कहानियां हैं कि कैसे उन्होंने निष्ठुरता से ममता को पार्टी से बाहर किया और गांधियों ने सुनवाई तक से इनकार कर दिया। अतएव यह उम्मीद करना अनाड़ीपन होगा कि ममता गांधियों को ताकतवर बनाने वाले या उनके नामज़द को प्रधानमंत्री बनाने वाले किसी समझौते का सम्मान करेंगी, बशर्ते नामित स्वयं न हों। यही बात नीतीश और देवेगौड़ा पर लागू होती है। नीतीश कुमार जयप्रकाश नारायण द्वारा 1970 में चलाई गयी इंदिरा-विरोधी लहर का उत्पाद हैं तो 1997 में देवेगौड़ा के प्रधानमंत्री रहते कांग्रेस ने उनकी पीठ में छुरा घोंपा और सरकार गिरा दी थी। यहां तक कि सीपीआई(एम) के महासचिव सीताराम येचुरी के राहुल के साथ निजी तौर पर अच्छे संबंधों के बावजूद, केरल में उनका दल अपने वजूद के लिए कांग्रेस के साथ राजनीतिक संग्राम में आमने-सामने रहेगा। केरल पुलिस बारम्बार कांग्रेस कार्यकर्ताओं की निर्ममतापूर्वक पिटाई करती है और बदले में वे सीपीआई (एम) पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को सत्ता में बनाए रखने के लिए भाजपा से मदद लेने का आरोप लगाते हैं। यहां मज़ेदार है कि विजयन के विरुद्ध बहुत सारे भ्रष्टाचार के मामले होने के बावजूद केंद्रीय एजेंसियां उनके प्रति काफी नर्म रवैया अपनाए हुए हैं। अतएव वास्तव में ऐसी कोई असल वजह नहीं है कि वर्तमान या भावी गठबंधन के साझीदार गांधी परिवार के प्रति करबद्धता वाला सम्मान रखेंगे। लोकसभा चुनाव की संध्या पर बनी यह वास्तव में एक अनोखी राजनीतिक स्थिति है, जहां हर कोई अपने लिए लड़ रहा है तो भाजपा उन सबके खिलाफ। यहां हर किसी की इच्छा लोकसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारों के लिए अधिक से अधिक टिकट पाना है, निशाना प्रधानमंत्री पद है। यदि नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं बनाना तो इंडिया गठबंधन की उनके लिए कोई उपयोगिता नहीं, और अगर ममता को अपने यहां कांग्रेस और सीपीआई(एम) को कीमती सीटें देनी पड़ गईं तब उनकी तृणमूल कांग्रेस के लिए तो यह गठजोड़ उलटा नुकसानदायक हुआ। अगर बंगाल में राहुल गांधी की कार पर पत्थरबाजी हुई है, तो ये तृणमूल द्वारा अपनी जमीन पर कब्जा रोकने का सुरक्षात्मक संकेत है। चुनाव संध्या पर कांग्रेस का उद्देश्य गठबंधन को मजबूत बनाने की बजाय अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा से केवल राहुल की छवि चमकाना है। उदाहरणार्थ, यदि कांग्रेस केरल में जीत जाती है, जैसी कि उम्मीद है, तो राष्ट्रीय राजनीति में सीपीआई (एम) का होना-न होना एक बराबर होगा। लेकिन कांग्रेस अपने साझेदारों के राजनीतिक वजूद संबंधी असमंजसों को पहचान नहीं रही या फिर गठबंधन-निर्माता की भूमिका निभाने से इनकार कर रही है। इसका सारा प्रयास राहुल को प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रीय विकल्प के तौर पर पेश करने में लगा हुआ है, तिस पर रवैया और घमंड वही सत्ताधीशों वाला। यदि भाजपा से चुनावी संग्राम में ज्यादा से ज्यादा सीटें पाने के लिए यह अपने गठबंधन साझेदारों के लिए माकूल जगह नहीं छोड़ेगी तो बाद में मौका हाथ से गंवाने का पछतावा ही बाकी रहने वाला है। जिन राज्यों में कांग्रेस कमज़ोर है वहां भी इसे जीत के लिए अपने साझेदारों की पीठ पर सवार होना गवारा नहीं। जिस प्रकार हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ या फिर राजनीतिक तौर से द्वि-ध्रुवीय सूबों में समाजवादी पार्टी या तृणमूल कांग्रेस या आम आदमी पार्टी अपने लिए सीटें छोड़ने को नहीं कह सकते, वैसे ही बंगाल में कांग्रेस को ममता की सुनने की जरूरत है।

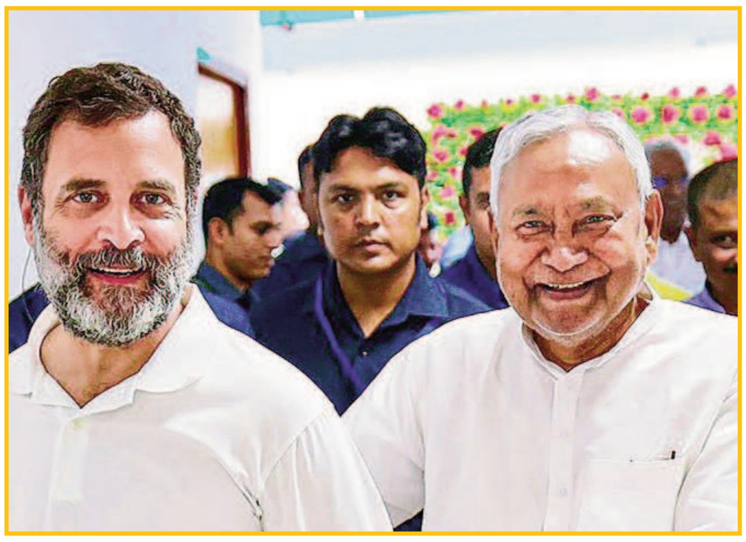

जहां तक नीतीश कुमार पर मौकापरस्ती का आरोप लगाने की बात है, तो चरण सिंह और चंद्रशेखर से लेकर देवेगौड़ा और आईके गुज़राल जैसे अनेकानेक नाम हैं, जिनके साथ कांग्रेस ने दुरभिसंधि की और फिर पश्चिम बंगाल में 2011 के विधान सभा चुनाव का उदाहरण भी है, जब कांग्रेस ने सीपीआई (एम) का वर्चस्व खत्म करने को टीएमसी के साथ हाथ मिलाया था। इसलिए अपने साझीदारों को घरेलू बंधक न मानकर उन्हें बराबर का हिस्सेदार बनाने के लिए कांग्रेस को अपनी गठबंधन-रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है।

लेखक प्रधान संपादक हैं।

युवाओं के हौसलों की उड़ान को संबल

प्रमोद भार्गव

बीते कुछ सालों में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनेक वैश्विक उपलब्धियां हासिल करके दुनिया को चौंकाने का काम कर दिया है। इनमें पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना, सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल मिशन प्रक्षेपित करना और इसरो द्वारा ब्लैक होल के रहस्यों को खंगालने के लिए उपग्रह भेजने जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। भविष्य में भारत अंतरिक्ष में मानव युक्त गगनयान भेजने और शुक्र ग्रह पर पर जाने की तैयारी में है। धरती और समुद्री सतह पर भी उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धियां हासिल की हैं। बावजूद वैज्ञानिक अनुसंधानों में भारत कई देशों से पिछड़ रहा है। धन की कमी के चलते संस्थाएं और मौलिक सोच रखने वाले युवा सपने देखते ही रह जाते हैं। इसकी एक वजह निजी क्षेत्र का अनुसंधान में ज्यादा योगदान नहीं देना भी रहा है। अब 2024 के अंतरिम बजट में ऐसे प्रावधान कर दिए हैं, जो युवाओं के सपने पूरा करने में मदद करेंगे। उन्हें अब धन की कमी आड़े नहीं आएगी। शोध के लिए वे जितना चाहेंगे, ब्याज मुक्त धन मिल जाएगा। बजट में सरकार ने युवाओं के सपने साकार करने के लिए बड़ा ऐलान किया है। इसके अंतर्गत 50 वर्षों तक के लिए ब्याज मुक्त ऋण हेतु एक लाख करोड़ रुपये की निधि तय की गई है, इससे उभरते नवीन क्षेत्रों में अनुसंधान और आविष्कारों के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी। इस पहल से शोध में तो तेजी आएगी ही, नए रोजगार भी विकसित होंगे। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जय अनुसंधान' नारे से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत 'राष्ट्रीय शोध संस्थान' के गठन की घोषणा की थी। 2021 के बजट में इस मकसद पूर्ति के लिए 5 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये खर्च भी किए जाने हैं। इस परिप्रेक्ष्य में शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर शोध के क्षेत्र में तेजी आई हुई है। इसका कारगर परिणाम हाल ही में जारी हुई उच्च शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग में दिखा दी है। अब तक भारत अपनी जीडीपी का मात्र 0.65 प्रतिशत शोध पर खर्च करता रहा है। अतएव एक लाख की आबादी पर महज 26 शोधार्थी ही नए शोध कर पाते हैं, जबकि निम्न आय वाले देशों में यह अनुपात 32 और चीन में 169 एवं अमेरिका में 445 है। धन की कमी से शोध कार्य न केवल लंबे खिंचते हैं, बल्कि कभी-कभी अप्रासंगिक भी हो जाते हैं। इस नाते भारत अनुसंधान के पैमाने पर चीन और अमेरिका से तो पीछे है ही, दक्षिण अफ्रीका से भी पिछड़ा है, दक्षिण अफ्रीका में जीडीपी दर 0.8 प्रतिशत है, जो भारत से अधिक है। बहरहाल, आर एंड डी पर विश्व का औसत खर्च 1.8 प्रतिशत है, अतएव हम औसत खर्च का आधा भी खर्च नहीं करते हैं। भारत का शोध पर कुल खर्च 17.6 अरब डॉलर है, जबकि अमेरिका का 581 और चीन का 298 अरब डॉलर है। नतीजतन हम नए अनुसंधान, आविष्कार और स्वदेशी उत्पाद में पिछड़े हैं। इसीलिए पेटेंट के क्षेत्र में भारत विकसित देशों की बराबरी करने में पिछड़ गया है। भारत से कम जीडीपी वाले फ्रांस, इटली, ब्रिटेन और ब्राजील भी हमसे कई गुना ज्यादा धन शोध पर खर्च करते हैं। यदि यही सिलसिला जारी रहता तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत भविष्य में कैसे टिक पाता? गोया, शोध के क्षेत्र में धन बढ़ाकर भारत ने न केवल युवाओं के हौसलों को उड़ान भरने का सुनहरा अवसर दिया है, बल्कि आविष्कार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाने का मार्ग भी प्रशस्त कर दिया है। भारत में उच्च शिक्षा के 40 हजार से ज्यादा संस्थान हैं। इनमें से सिर्फ एक प्रतिशत में अनुसंधान होता है। इसीलिए अब तक दुनिया के 100 बेहतरीन संस्थानों में से भारत का एक भी नहीं है। शोध का अवसर नहीं मिलने के चलते ही भारत के युवा अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन में पीएचडी के लिए चले जाते हैं। इनमें से अधिकतर वापस भी नहीं लौटते। पिछले साल अमेरिका में विज्ञान पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में सबसे ज्यादा भारत के ही छात्र थे।

भारत में सरकार या सरकारी संस्थाएं ही सबसे ज्यादा शोध का खर्च वहन करती हैं। जबकि अमेरिका में सरकार शोध पर सिर्फ 10 प्रतिशत और चीन में सिर्फ 16 प्रतिशत खर्च करती हैं। बाकी खर्च निजी क्षेत्र उठाता है। यदि भारत के निजी उच्च शिक्षा संस्थान शोध के क्षेत्र में खर्च की भागीदारी बढ़ा दें तो शोध का स्तर बेहतर हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो संभव है कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में शिखर पर पहुंच जाए। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि विज्ञान के क्षेत्र में भारतीयों की रुचि अधिक है। भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश हैं, जहां के 31 प्रतिशत विद्यार्थी विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में सबसे ज्यादा रुचि लेते हैं। इसके बाद इस्राइल है जहां के 27 प्रतिशत छात्र और फिर अमेरिका आता है, जहां के 20 प्रतिशत छात्र विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में रुचि लेते हैं। हालांकि नवाचारी वैज्ञानिकों को लुभाने की सरकार ने अनेक कोशिशें की हैं। बावजूद देश के लगभग सभी शीर्ष संस्थानों में वैज्ञानिकों की कमी है। वर्तमान में देश के 70 प्रमुख शोध-संस्थानों में 3200 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। बेंगलुरु के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) से जुड़े संस्थानों में सबसे ज्यादा 177 पद रिक्त हैं। पुणे की राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला में 123 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। देश के इन संस्थानों में यह स्थिति तब है, जब सरकार ने पदों को भरने के लिए आकर्षक योजनाएं शुरू की हुई हैं। इनमें रामानुजन शोधवृत्ति, सेतु-योजना, प्रेरणा-योजना और विद्यार्थी-वैज्ञानिक संपर्क योजना शामिल हैं। महिलाओं के लिए भी अलग से योजनाएं लाई गई हैं। इनमें शोध के लिए सुविधाओं का भी प्रावधान है। इसके साथ ही राज्यों में कार्यरत वैज्ञानिकों को स्वदेश लौटने पर आकर्षक पैकेज देने के प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। बावजूद परदेस से वैज्ञानिक लौट नहीं रहे हैं। इसकी पृष्ठभूमि में एक तो वैज्ञानिकों को यह भरोसा पैदा नहीं हो रहा है कि जो प्रस्ताव दिए जा रहे हैं वे निरंतर बने रहेंगे? दूसरे नौकरशाही द्वारा कार्यप्रणाली में अड़ंगों की प्रवृत्ति भी भरोसा पैदा करने में बाधा बन रही है।

विचार मंथन

रिश्वतखोरी और सरकारी लापरवाही का नतीजा है, पटाखा फैक्ट्री का विस्फोट

(लेखक - सनत जैन)

मध्य प्रदेश के हरदा में मंगलवार की सुबह फटाका फैक्ट्री धमाकों के साथ हवा में उड़ गई। सैकड़ो लोग घायल हो गए। लगभग एक दर्जन लोगों की मौत हो गई। फटाका फैक्ट्री की ईट, कंक्रीट और लोहा कई किलोमीटर दूर जाकर लोगों पर गिरे। राह चलते लोग घायल हो गए। फैक्ट्री की दो मंजिल पूरी तरह से हवा में आग के गोले बनकर उड़ गई। भवन के अंदर बने तहखाने में कितने लोग मरे हैं, उनकी पहचान हो पाएगी या नहीं, उनकी लाशों को कचरे की ढेर से निकाला जा सकेगा यह कहना मुश्किल है। मंगलवार की देर रात तक प्रशासन ने 11 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। 200 से अधिक लोगों की घायल होने की पुष्टि की है। अधिकारियों के अनुसार उन्होंने बचाव का काम पूरा कर लिया है। फटाका फैक्ट्री के मालिकों के पास 6 लाइसेंस थे। पटाखा फैक्ट्री के आसपास सैकड़ो मकान बने हुए थे। 2 मंजिली पटाखा फैक्ट्री में तहखाना भी बनाए गए थे, जिनमें बड़ी मात्रा में फटाका और बारूद एकत्रित किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार फैक्ट्री से सटे खेत पर काम कर रहे मजदूरों के अनुसार फटाखे धूप में सूख रहे थे। पटाखे की लोडिंग का काम भी चल रहा था। इसी बीच में एक ऑटो में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी। देखते ही देखते आग फैल गई। कम से कम 400 लोग फटाका फैक्ट्री के आसपास मजदूरी का भुगतान लेने और मजदूरी करने के लिए एकत्रित थे। यहां पर 100 से अधिक मजदूर लगातार काम करते थे। 150 मजदूरों के रहने की व्यवस्था टिन शेड बनाकर पटाखा निर्माता द्वारा की गई थी। इतनी भयानक आग में कितने लोग मरे होंगे, इसकी कल्पना आसानी के साथ की जा सकती है। सरकार ने अभी तक केवल 11 लोगों के मौत की पुष्टि की है। विस्फोटक पदार्थ को एकत्रित करने तथा निर्माण के लिए प्रशासन द्वारा लाइसेंस दिया जाता है। जहां विस्फोटक पदार्थ रखे जाते हैं। उसके लिए लायसेंस और नियम बनाए गए हैं। उन नियमों का पालन हो रहा है या नहीं यह देखने का काम सरकार के अधिकारियों का होता है। लाइसेंस देने के पूर्व आबादी से बाहर खुले मैदान में तरह का विस्फोटक रखा जा सकता है। इसके भी नियम बने हुए हैं। आबादी क्षेत्र में बहुत कम मात्रा में पटाखे या विस्फोटक रखने का लाइसेंस दिया जाता है। विस्फोटक भंडारण की सतत निगरानी सरकार के अधिकारी करते हैं। 2015 में इसी मालिक की फैक्ट्री में विस्फोट हुआ था। जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी। अदालत से इसे सजा भी हुई। उसके बाद यह हाईकोर्ट से जमानत पर छूटकर बाहर था। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि तत्कालीन एसडीएम और तत्कालीन कलेक्टर ने फैक्ट्री का लाइसेंस निरस्त कर फैक्ट्री बंद करने का आदेश दिया था। संभागीय आयुक्त ने अपील में कलेक्टर का आदेश निरस्त कर दिया था। उसके बाद धड़ल्ले से फैक्ट्री में सुतली बमों एवं अन्य पटाखे का निर्माण किया जा रहा था। लायसेंस की क्षमता से अ धिक में यहां पर बारूद एकत्रित किया गया था। 100 से ज्यादा मजदूर रोजाना यहां पर कई शिफ्ट में काम करते थे। इतनी बड़ी विस्फोटक फैक्ट्री में सरकारी अधिकारियों द्वारा रिश्वत की रकम लेकर आंख मूंदकर फैक्ट्री संचालन एवं पटाखे के उत्पादन करने का ब्लैंक लाइसेंस अग्रवाल बंधु को दे रखा था। राजनीतिक संबंधों और रिश्वतखोरी के इस खेल में विस्फोट के लिये सरकारी अधिकारी और कहीं ना कहीं राजनेता भी इसके जिम्मेदार हैं। रिश्वत और रसूख के कारण गैर जिम्मेदारी के कारण इस तरह की घटनाओं मैं अप्रत्यक्ष रूप से संलिपित होते हैं। इस दुर्घटना के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए चार-चार लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान कर दिया। केंद्र सरकार की ओर से भी प्रधानमंत्री ने 2-2 लाख का मुआवजा देने का ऐलान कर राहत की मलहम लगाने का काम किया है। लेकिन वास्तविकता यह है, इस घटना से जो सैकड़ो लोग घायल हुए हैं और जो लोग इस घटना में मर गए हैं। उनके परिवार को कितना बड़ा नुकसान हुआ है। इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। लगभग हर क्षेत्र में जिस तरह से भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण इस तरह की घटनाएं और मौत होने की घटनायें लगातार हो रही हैं। यदि जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही नहीं होगी और इन्हे बचाया जाएगा, तो इस तरह की घटनाएं रुकने के स्थान पर बढ़ती चली जाएगी। फैक्ट्री संचालक द्वारा करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी जीएसटी के रूप में की जा रही थी। जिस तरह से शासन और प्रशासन का संरक्षण इस फैक्ट्री संचालक को मिल रहा था, निश्चित रूप से अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी एवं कर्तव्य का पालन नहीं किया। इस घटना के बाद जिनके ऊपर जिम्मेदारी थी। विस्फोटक का जो लाइसेंस दिया गया था, उसकी शर्तों का पालन हो रहा है या नहीं, इसको देखने में जिन अधिकारियों ने लापरवाही की है। उनके ऊपर भी सरकार को मुकदमा चलना चाहिए।

प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग
ऊटी

यदि आपको प्राकृतिक स्थानों की सैर करने में आनंद आता है तो ऊटी से अच्छी जगह आपके लिए कोई और नहीं। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको बांधकर रख लेती हैं।

पहाड़ों की रानी ऊटी

नीलगिरी जिले की राजधानी है, इसे उद्‌गमंडल के नाम से भी जाना जाता है। नीलगिरी का अर्थ है- नीला पहाड़, शायद हरे-भरे पहाड़ों के कारण इसे यह नाम दिया गया है। यह समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर है।

जब आप कल्लार से कुनूर जाते हैं तो आपको रास्ते में पेड़-पौधों में तथा मौसम में आश्चर्यजनक बदलाव देखने को मिलता है। आपको कल्लार में गरम मौसम मिलेगा तो उससे आगे गरमी हल्की होती चली जाती है। कुनूर के पास चीड़, नीली गोंद, साइप्रस (सुरू) वृक्षों के कारण जलवायु में नमी महसूस होती है।

जैसे ही ऊटी से गुडलूर की तरफ बढ़ते हैं तो वनस्पतियों को देखकर आपके मन में हर्ष की हिलोरें उठने लगती हैं। यही है प्रकृति के सान्निध्य का आनंद! जलवायु और वनस्पति मिलकर एक खूबसूरत मंजर पेश करते हैं। यहां के चाय बागानों ने बहुत ख्याति पाई है। यहां हर वर्ष चाय और पर्यटन उत्सव में भारी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

दोदाबेट्टा पीक

यह 2623 मीटर की ऊंचाई पर है। यह जिले का सबसे ऊंचा स्थान है, यहां से आप ऊटी के आसपास के क्षेत्र का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं। यह ऊटी से केवल 10 किलोमीटर दूर है।

लैम्ब्स रॉक

यह कुनूर से केवल 9 किलोमीटर दूर है। यहां से आप कोयंबटूर के नजारों और आसपास के इलाकों के चाय बगानों के सुरम्य दृश्य देख सकते हैं। यहां का हर दृश्य फोटो खींचने लायक है तो यहां अपने भीतर छिपे फोटोग्राफर को बाहर निकालिए और जमकर फोटोग्राफी कीजिए।

कोडानाडू व्यू पाइंट

यह नीलगिरी पर्वत श्रृंखला के पूर्वी छोर पर कोटागिरी से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। यहां से आप मोयार नदी और चाय के बागानों का मोहक दृश्य देख सकते हैं। यहां एक प्रेक्षण मीनार भी हैं, जहां से आप रंगास्वामी शिखर का नजारा देख सकते हैं।

बोटनिकल गार्डन्स

जो लोग प्रकृति प्रेमी है, हरियाली देखने, घूमने-फिरने के शौकीन हैं और दुर्लभ फर्न और अन्य पौधे देखना पसंद करते हैं, उनके लिए इस उद्यान से बढ़ कर दूसरी कोई बेहतर जगह नहीं। लगभग 22 हेक्टेयर इलाके में फैले हुए शासकीय वनस्पति उद्यान 1847 में बनाए गए थे। इनमें पौधों और वृक्षों की सैकड़ों-हजारों प्रजातियां हैं। इनमें एक ऐसे वृक्ष का भी जीवाश्म है, जिसके बारे में विश्वास किया जाता है कि वह 2 करोड़ वर्षों से भी अधिक पुराना है। इन खूबसूरत उद्यानों का रखरखाव राज्य के बागवानी विभाग के हाथ में है।

ऊटी झील

यहां नौका विहार कीजिए या मछली पकड़ने का शौक भी पूरा कर सकते हैं।

मुदुमलाई वन्य प्राणी विहार

यह ऊटी से 67 किलोमीटर दूर है। अगर आप 1-2 दिन रुकते हैं, तो वन्य प्राणी विहार को देखना आपके लिए बहुत अच्छा अनुभव होगा। यहां बहुत से पेड़-पौधे और जीव-जंतु हैं। यहां इनकी दुर्लभ प्रजातियां हैं।

यहां हाथी, बड़ी गिलहरियां, सांभर, चीतल, भौंकनेवाले हिरण और उड़नेवाली गिलहरियां तो यूं ही देखने को मिल जाती हैं। इस अभयारण्य में किस्म-किस्म के पक्षियों को भी देखा जा सकता है। इनमें रंगबिरंगे तोते, काले कठफोड़वे, गरुड़ आदि शामिल हैं।

कोटागिरी

यह ऊटी के पूर्व में 28 किलोमीटर दूर पर छोटा-सा गांव है, यह नीलगिरी के 3 हिल स्टेशन में से सबसे पुराना है। यहां का मौसम अन्य पर्वत स्थलों से कहीं अधिक खुशनुमा रहता है। यहां हैरत में डालनेवाले कई चाय बागान हैं। इसलिए ऊटी जाएं तो कोटागिरी की सैर के लिए जाना न भूलें।

कालहट्टी वॉटरफॉल्स

कालहट्टी की ढलानों पर खूबसूरत रमणीक कालहट्टी जलप्रताप लगभग 100 फुट ऊंचा है। जो शहर से लगभग 13 किलोमीटर दूर है। इसलिए ऊटी जा रहे हैं तो इन प्रपातों को और आसपास के सुरम्य स्थलों को देखना भी न भूलें।

जलप्रपातों को देखते हुए आपको कालहट्टी-मसीनागुडी ढलानों पर वन्य प्राणियों की प्रजातियां भी देखने को मिल जाएंगी जिनमें पैंथर, सांभर और जंगली भैंसें शामिल हैं।

मुकरूथी

यह ऊटी से लगभग 36 किलोमीटर दूर हैं और यहां से आप रमणीक मुकरूथी शिखर को देख सकते हैं।

सिम्स पार्क

यह पार्क ऊपरी कुनूर में 12 हेक्टेयर से अधिक इलाके में फैला हुआ है और माना जाता है कि इस पार्क में 1 हजार से अधिक पौधों की प्रजातियां हैं, जिनमें अनेक चीड़, फर्न और झाड़ियां शामिल हैं।

डॉल्फिंस नोज

यहां आप अपना समय मौजमस्ती में बिता सकते हैं। खेलों में हिस्सा ले सकते हैं और सैरसपाटा कर सकते हैं। यहां आने का एक फायदा यह है कि वहां से आसपास के इलाकों का समग्र दृश्य देख सकते हैं। अगर दिन साफ हो, तो वहां से कैथरीन जलप्रपातों को भी देख सकते हैं।

कब जाएं

अप्रैल से जून और सितंबर से नवंबर तक।

मौसम

गर्मियों में अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस। सर्दियों में अधिकतम 21 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस।

कैसे जाएं

रेल मार्ग से

मेत्तूपलयम बड़ी लाइन का रेलवे स्टेशन है। बड़ी लाइन का प्रमुख रेल जंक्शन कोयंबटूर है, जो कि सभी बड़े नगरों से मिला हुआ है।

हवाई मार्ग से

यहां से सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोयंबटूर है, जो कि 100 किलोमीटर दूर है। आप चेन्नई, कोजीकोडे, बंगलोर और मुंबई से कोयंबटूर के लिए सीधी उड़ान भर सकते हैं।

स्थानीय वाहन

बसें, टैक्सी आदि उपलब्ध हैं।

कहां ठहरें

डेक्कन पार्क रिजॉर्ट, होटल वेलबैक रेजीडेंसी, होटल लेक व्यू, होटल ऊटी आदि।

आरबीआई की सख्ती के बाद पेटीएम के शेयर हुए धड़ाम

नई दिल्ली । पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर आरबीआई की सख्ती के बाद पेटीएम के शेयर अचानक गिर गए हैं। जानकारी के अनुसार तीन कारोबारी सत्रों में कंपनी के शेयर 42 फीसदी टूट चुके हैं। हालांकि, मंगलवार को कंपनी के शेयर में पांच फीसदी तक उछाल देखने को मिला। इस तेजी के बावजूद कंपनी और उसके निवेशकों पर बड़ा संकट बना हुआ है। बता दें कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के कामकाज में अनियमितताएं दुरुस्त करने की आरबीआई की चेतावनी की लगातार अनदेखी हो रही थी। बता दें कि पेटीएम के शेयरों में 11 लाख रिटेल निवेशक और 514 विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) का पैसा फंसा हुआ है। इसके अलावा, म्यूचुअल फंड की 97 योजनाओं के जरिए भी निवेशकों की गाढ़ी कमाई फंसी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में पेटीएम में म्यूचुअल फंडों की हिस्सेदारी बढ़कर 4.99 फीसदी पहुंच गई। इसमें विदेशी निवेशकों का हिस्सा 2.80 फीसदी बढ़कर 63.27 फीसदी पहुंच गया। वहीं, 2 लाख रुपए तक की होल्डिंग वाले छोटे निवेशकों की होल्डिंग 4.57 फीसदी बढ़कर 12.85 फीसदी हो गई। टॉप एफआईआई इंवेस्टर्स में बीएनपी पारिबा आर्बिट्रेज और कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड शामिल हैं। इनके पास पेटीएम में 1 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी है। वहीं मिराए म्यूचुअल फंड शेयर में शीर्ष निवेशक था। जिसकी दिसंबर तिमाही के अंत में संकटग्रस्त फिनटेक में 2.51 फीसदी हिस्सेदारी थी। निप्पॉन म्यूचुअल फंड के पास भी पेटीएम में 1 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी थी। जब कि 6 म्यूचुअल फंड स्कीमें भी 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की थीं।

ब्लैकस्टोन के साथ गहराया विवाद, कर्ज को इक्विटी में बदलने पर आपत्ति

नई दिल्ली । कर्ज को इक्विटी में बदलने पर अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन के साथ बैजूस का विवाद गहरा रहा है। दरअसल ब्लैकस्टोन ने आरिन कैपिटल पार्टनर्स के कर्ज को इक्विटी में बदलने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। उसका कहना है कि इससे आकाश एजूकेशन सर्विसेज में उसकी हिस्सेदारी काफी घट जाएगी। बताया जा रहा है कि जब 30 करोड़ डॉलर के कर्ज को इक्विटी में तब्दील किया जाएगा तो इससे बेंगलूरु स्थित अरबपति रंजन पई के नेतृत्व वाली आरिन कैपिटल पार्टनर्स की हिस्सेदारी आकाश एजूकेशन में बढ़कर 39 प्रतिशत हो जाएगी और मौजूदा निवेशकों का हिस्सा घट जाएगा। हालां कि यह ऋण-इक्विटी परिवर्तन आकाश एजूकेशन के लिए 60 करोड़ डॉलर के कम इक्विटी मूल्यांकन पर भी हो रहा है, जबकि 2021 में उस समय यह मूल्यांकन 95 करोड़ डॉलर दर्ज किया गया था, जब थिंक ऐंड लर्न ने कंपनी को खरीदा था। बता दें कि बैजूस ब्रांड नाम से परिचालन करने वाली थिंक ऐंड लर्न मौजूदा समय में आकाश एजूकेशन सर्विसेज की प्रमुख शेयरधारक है। इस समय आकाश में थिंक ऐंड लर्न की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस मामले से जुड़े एक जानकार ने कहा कि ब्लैकस्टोन और अन्य निवेशकों ने आकाश एजूकेशन के बोर्ड और भारतीय नियामकों को इस संबंध में पत्र लिखकर कंपनी द्वारा कर्ज को इक्विटी में बदलने की योजना पर आपत्ति जताई है।

महिंद्रा एक्सयूवी300 और एक्सयूवी 400 पर मिल रहा भारी डिस्काउंट

नई दिल्ली ।

महिंद्रा एक्सयूवी300 व क्सयूवी400 पर कंपनी शानदार डिस्काउंट दे रही है। अगर इस महीने कार खरीदने का प्लान हैं, तो यह ऑफर पाने का बिल्कुल सही मौका है। महिंद्रा शोरूम 2023 और 2024 मॉडल वर्ष एक्सयूवी300 पर भारी छूट और लाभ दे रहे हैं। इन ऑफर्स का फायदा उठाने के लिए कंपनी से संपर्क करें। बता दें कि 2024 महिंद्रा एक्सयूवी300 पर इस महीने 1.82 लाख रुपये तक की छूट और लाभ दिया जा रहा है। हालांकि ये डिस्काउंट मॉडल वर्ष, वेरिएंट और पावरट्रेन पर निर्भर करता है। 2024 मॉडल पर 1.57 लाख रुपये तक की छूट, टॉप रेंज एमवाय23 एक्सयूवी300 टीजीडीआई मॉडल और पेट्रोल डब्ल्यू8 (ओ) ट्रिम्स पर क्रमशः 1.75 लाख रुपये और 1.73 लाख रुपये तक की छूट दी जा रही है, जबकि उनके एमवाय24 समकक्षों को क्रमशः 1.5 लाख रुपये और 1.48 लाख रुपये का लाभ के साथ पेश किया है। वहीं डब्ल्यू6 ट्रिम्स पर 94,000 रुपये से 1.33 लाख रुपये, डब्ल्यू4 और डब्ल्यू2 वेरिएंट पर क्रमशः 51,935-73,000 रुपये और 45,000 रुपये का लाभ दिया जा रहा है। बता दें कि

एक्सयूवी400 ईएल ट्रिम इस महीने 3.4 लाख रुपये की छूट दी जा रही है। इसके अलावा कंपनी द्वारा 2024 मॉडल पर केवल 40,000 रुपये तक की एक्सचेंज और कॉर्पोरेट डिस्काउंट ही मिल रहा है।

टाटा कम्युनिकेशंस ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। टाटा कम्युनिकेशंस ने भारत में उद्यमों के लिए माइक्रोसॉफ्ट टीम्स पर सहयोग और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने यह घोषणा बुधवार को की।कंपनी ने कहा, टाटा कम्युनिकेशंस ग्लोबलरैपिड प्लेटफॉर्म भारतीय उद्यम यूजर्स के साथ-साथ देश में मौजूद बहुराष्ट्रीय कंपनियों को ऑपरेटर कनेक्ट प्लेटफॉर्म का उपयोग कर दुनिया भर में कहीं भी, किसी भी टीम डिवाइस पर कैरियर-ग्रेड पीएसटीएन वॉयस कॉल करने और प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। यूनिफाइड कम्युनिकेशंस एंड कोलैबोरेशन के उपाध्यक्ष श्रीराम संपत ने कहा, ऑपरेटर कनेक्ट फॉर टीम्स पर माइक्रोसॉफ्ट के साथ हमारा सहयोग उद्यमों के लिए कार्यबल उत्पादकता और दक्षता को और बढ़ाएगा जबकि उन्हें स्थानीय नियमों और अनुपालन का पालन करने में मदद करेगा। प्लेटफ़ॉर्म एक एंड-टू-एंड प्रबंधित सर्विस लेयर प्रदान करता है, जो एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर बढ़ी हुई उपयोगिता, सुरक्षा और नियामक अनुपालन के साथ टीम्स, एंडपॉइंट डिवाइस और एसबीसी (सत्र सीमा नियंत्रक) की तैनाती, ऑनबोर्डिंग और प्रबंधन प्रदान करता है।

पेटीएम के बाद अब भारतपे की बढ़ी मुश्किल!

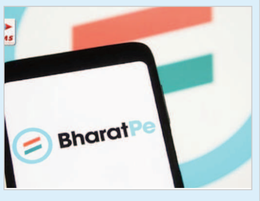

नई दिल्ली। पेटीएम के बाद अब भारतपे के सामने मुसीबत आ गई है। कॉरपोरेट मंत्रालय ने भारतपे को नोटिस जारी किया है। मंत्रालय ने कंपनी कानून की धारा 206 के तहत नोटिस जारी कर भारतपे से अशनीर ग्रोवर मामले में जानकारी मांगी है। कंपनी ने भी कहा है कि वह जांच में सरकार का पूरा साथ देगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कॉरपोरेट मंत्रालय ने भारतपे को नोटिस जारी कर पूछा है कि अशनीर ग्रोवर के खिलाफ कोर्ट में दाखिल किए आपराधिक और दीवानी मामलों से जुड़े के या सबूत हैं। भारतपे को अशनीर ग्रोवर ने 4 साल पहले शुरू किया था। 2022 की शुरुआत में अशनीर के खिलाफ विवाद शुरू हुआ। उन्होंने कोटक ग्रुप के एक एम्पलॉयी को इसलिए धमकी दी, क्योंकि उसने नायका के आईपीओ को उनेक लिए अलॉट नहीं किया था। विवाद बढ़ने पर ग्रोवर ने भारतपे के प्रबंध निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद कंपनी ने अशनीर के खिलाफ वित्ते तीय हेरफेर को लेकर भी ऑडिट शुरू कर दी। गौरतलब है कि अशनीर ग्रोवर ने ही भारतपे की स्थापना की थी। बाद में अशनीर और उनकी पत्नी के खिलाफ कंपनी के पैसों में हेरफेर करने के आरोप लगे और उन्हें कंपनी के बोर्ड से बाहर कर दिया गया। नोटिस पर भारतपे ने जवाब दिया है कि मंत्रालय ने कंपनी को नोटिस जारी कर अशनीर मामले में ज्यादा जानकारी मांगी है। सरकार ने 2022 में मामले की समीक्षा शुरू की थी और इसी पूछताछ को आगे बढ़ाते हुए अतिरिक्त जानकारियां मांगी है। कंपनी ने कहा कि हम जांच एजेंसियों को हरसंभव मदद करने की कोशिश करेंगे।

शेयर बाजार में मिलाजुला कारोबार, बीसएई सेंसेक्स में गिरावट, निफ्टी में बढ़त

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। बीसएई सेंसेक्स जहां गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी में हल्की बढ़त रही। दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बीच ही आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला पर आईटी और वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली हावी होने से इसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 24.13 अंक करीब 0.03 फीसदी नीचे आकर 72,210.22 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी 1.10 अंक करीब 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ ही 21,930.50 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, जेएसडब्लयू स्टील, ऐक्सिस बैंक , बजाज फाइनैंस , अल्ट्राटेक सीमेंट , नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, रिलायंस, टाइटन और मारुति इंडिया के शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। एसबीआई स्टॉक इंट्रा डे कारोबार के दौरान 677.50 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं आज हिंदुस्तान यूनिलिवर, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई, टाटा स्टील, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, , एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, विप्रो, एचडीएफसी बैंक,एनटीपीसी, टीसीएस और इन्फोसिस के शेयर नीचे आये। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया के सियोल और चीन के शंघाई में तेजी रही जबकि टोक्यो और हांगकांग के बाजारों में शेयर गिरे। यूरोपीय बाजारों में अधिकतर गिरावट रही। गत दिवस अमेरिकी बाजारों में गिरावट आई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 92.52 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट

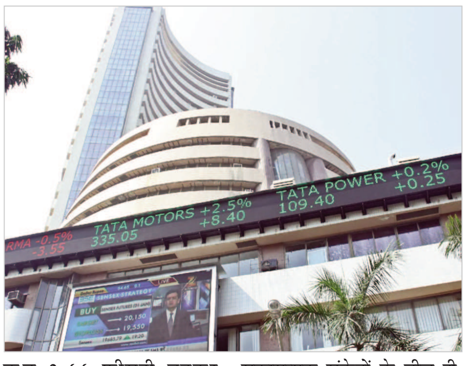

क्रूड 0.66 फीसदी बढ़कर 79.11 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 1.48 फीसदी से ज्यादा की बढ़त जबकि, बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 0.35 फीसदी बढ़ा। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज सुबह सेंसेक्स 270 अंक ऊपर आकर 72,550 जबकि निफ्टी 116 अंक उछलकर 22,045 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान एसबीआई, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, एमएंडएम, टाइटन, कोटक बैंक और बजाज ट्विन्स के शेयरों में तेजी आई।

नकदी की कमी दूर करने आरबीआई ने दो बार की वीआरआरआर की नीलामी

नई दिल्ली ।

नकदी की कमी को दूर करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने आज पहली बार एक दिन में दो ओवरनाइट वैरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) की नीलामी की। इसका उद्देश्य बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कमी को कम करना था। बता दें कि बीते चार महीनों से नकदी की तंगी व्यापक रूप से बनी हुई थी। मार्केट के साझेदारों ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने दिन में बैंकों को कोष जारी किए जाने के कारण वीआरआरआर की दूसरी नीलामी की। केंद्रीय बैंक बुधवार को 50,000 करोड़ रुपये की अन्य वीआरआरआर नीलामी भी करेगा। हालों कि पहली नीलामी को कम मांग प्राप्त हई। इसमें बैंकों ने 75,000 करोड़ रुपये की अधिसूचना पर 27,538 करोड़ रुपये जमा कराए। जबकि दूसरी नीलामी में अच्छी मांग रही। मिली जानकारी के अनुसार बैंकों ने दूसरी नीलामी में 41,804 करोड़ रुपये जमा कराए जबकि अधिसूचित राशि 50,000 करोड़ रुपये थी। बैंकों ने भारित औसत दर 6.49 प्रतिशत पर कोष जमा कराया है। इस मामले में सरकारी बैंक के एक डीलर ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक को यह जरूर जानकारी होगी कि बैंकों को इस दिन फंड हासिल होने वाला है। इसलिए रिजर्व बैंक ने दूसरी नीलामी की थी। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कमी 1.21 लाख करोड़ रुपये थी। हालांकि कर की अदायगी किए जाने के कारण 24 जनवरी को नकदी की कमी रिकॉर्ड स्तर 3.46

लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई थी। ले किन जानकार बता रहे हैं कि इस सप्ताह के दौरान नकदी की कमी 1.50 लाख करोड़ रुपये से कम रहने की उम्मीद है। क्यों कि अगले सप्ताह से कर जमा किए जाने के कारण नकदी का अंतर फिर बढ़ सकता है। इसके लिए सरकार करीब 4 लाख करोड़ रुपये का संचयन कर रही है। यह रा शि मार्च के अंत तक खर्च किए जाने की उम्मीद है।

एमजी कॉमेट ईवी पर 1 लाख तक की छूट

- कीमतें अब 6.99 लाख रुपये एक्स शोरूम से शुरू

नई दिल्ली ।

एमजी मोटर इंडिया कंपनी अपनी स्थापना की शताब्दी वर्ष सेलिब्रेट कर रही है। इस मौके पर कंपनी ने एमजी कॉमेट ईवी की कीमत में 1 लाख रुपये की कटौती की है, जिसके बाद इस ऑल-इलेक्ट्रिक कार की कीमतें अब 6.99 लाख रुपये एक्स शोरूम से शुरू होती हैं। एमजी कॉमेट ईवी में 17.3 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी है। इससे 230केएम की अराई-प्रमाणित रेंज प्राप्त की जा सकती है। एमजी में एक 3.3केडब्ल्यू ऑनबोर्ड चार्जर भी दिया है, जिससे 7 घंटे में बैटरी को फुल चार्ज किया जा सकता है। इसमें दी गई बैटरी 42एचपी और 110 एनएम का टार्क जेनरेट करती है। एमजी मोटर का दावा है कि इस इलेक्ट्रिक कार को 1000 किमी चलाने का खर्च सिर्फ 519 रुपये है जो कि काफी कम खर्च है। इस इलेक्ट्रिक कार में दो 10.25-इंच स्क्रीन, एक टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और एक डिजिटल क्लस्टर, 55+ कनेक्टेड फीचर्स, 100+ वॉइस कमांड, वायरलेस एंड्राइड ऑटो और एप्पल कारप्ले, डुअल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, फ्रंट व रियर 3 पॉइंट सीटबेल्ट्स, रियर पार्किंग सेंसर, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और आईसोफिक्स चाइल्ड सीट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। बता दें कि भारत में एमजी कॉमेट ईवी को लोगों द्वारा काफी प्यार मिला है। इसे आम लोगों के साथ-साथ स्टार्स ने भी खरीदा है।

गैस में अगले 5-6 साल में 67 अरब डॉलर निवेश करेगा भारत

-गोवा में भारत ऊर्जा सप्ताह के शुभारंभ पर गैस कंपनियों के प्रतिनिधि हुए शामिल

नई दिल्ली ।

गोवा में आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में ऊर्जा का बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए अभूतपूर्व रकम खर्च की जा रही है। अगले 5-6 साल में गैस क्षेत्र में 67 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। द क्षिण गोवा के बेतुल में दूसरे भारत ऊर्जा सप्ताह का उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ऊर्जा में निवेश के लिए दुनिया भर के निवेशकों को भारत पसंद आ रहा है। उन्होंने कहा कि हम प्राथमिक ऊर्जा में प्राकृतिक गैस की मौजूदा 6 फीसदी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 15 फीसदी करना चाहते हैं। भारत ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व राशि निवेश कर रहा है। यही वजह है कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र के लोग आज भारत के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करना चाह रहे हैं। पिछले साल पहला भारत ऊर्जा सप्ताह में प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत हरित ऊर्जा के लिए प्रतिबद्ध है मगर उसे पारंपरिक तेल और गैस क्षेत्र में भी भारी निवेश करना होगा। वहीं 1 फरवरी को आए अंतरिम बजट में 11 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव दिया है, जिसमें से बड़ा हिस्सा ऊर्जा क्षेत्र में निवेश होगा।

कार्यक्रम में पीएम ने कहा कि भारत अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है। अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है कि भारत आगे भी इसी रफ्तार से वृद्धि करता रहेगा। भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत जल्द ही हाइड्रोजन का प्रमुख उत्पादक और निर्यातक बन जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत पहले ही दुनिया के सबसे बड़े तेलशोधकों में शुमार है। आज हमारे पास सालाना 25.5 करोड़ टन से ज्यादा रिफाइनिंग क्षमता है। वर्ष 2030 तक हम रिफइनिंग क्षमता को बढ़ाकर 45 करोड़ टन सालाना करना चाहते हैं।' देश में इस समय सालाना 1.9 करोड़ बैरल तेल की खपत होती है और 2045 तक आंकड़ा 3.8 करोड़ बैरल हो जाने का अनुमान है।

इस मौके पर पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय तेल एवं गैस कंपनियों के प्रमुखों और विशेषज्ञों से भी मुलाकात की। भारत ऊर्जा सम्मेलन 2024 पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय का प्रमुख कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में नियामक संस्थाएं, नवीकरणीय एवं वैकल्पिक ईंधन से जुड़ी कंपनियां, नीति शोधार्थी और सलाहकार टिकाऊ ऊर्जा पर अपने विचार रखते हैं। सरकार को उम्मीद है कि यह कार्यक्रम वैश्विक ऊर्जा के लिए नीति बनाने के मामले में भारत को और आगे लेकर जाएगा।

पेट्रोल की कीमतों में तेजी शुरु

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 80 डॉलर के पास पहुंचने के साथ ही घरेलू बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त आनी शुरू हो गई है। इससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव आने लगा है। कई जगहों पर कीमतें बढ़ीं हैं पर दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में आज पेट्रोल की कीमतें 18 पैसे बढ़ी हैं और ये अब 96.89 रुपये लीटर बिक रहा है। इसके साथ ही डीजल भी 17 पैसे बढ़कर 89.76 रुपये लीटर हो गया है। राजस्थान के अजमेर में पेट्रोल 17 पैसे बढ़कर 108.28 रुपये लीटर जबकि डीजल 17 पैसे बढ़कर 93.55 रुपये प्रति लीटर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल लगातार दूसरे दिन बढ़ा है। ब्रेंट क्रूड एक डॉलर ऊपर आकर 78.95 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। इसके अलावा डब्ल्यूटीआई की कीमतें भी बढ़त के साथ ही 73.69 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी हैं। आज दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये

प्रति लीटर जबकि मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

पात्र कंपनियों को जल्द मिलेगी पीएलआई की रकम, सरकार ने दिखाई सख्ती

-नीति आयोग करेगा योजना से जुड़ी नोडल एजेंसियों के कामकाज की समीक्षा

नई दिल्ली ।

सरकार की पहल पर पात्र कंपे नियों को अब पीएलआई की रकम जल्द मिलेगी। इसके लिए नी ति आयोग को नोडल एजेंसियों के कामकाज की समीक्षा करने कि जिम्मेदारी दी जा सकती है। बता दें कि विभिन्न क्षेत्रों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत पात्र कंपनियों को प्रोत्साहन राशि जारी होने में देर पर सरकार सख्त हो गई है। पीएलआई दावों की रकम देने में देर किए जाने पर चिंता जताते हुए कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने नीति आयोग को योजना से जुड़ी नोडल एजेंसियों के कामकाज की समीक्षा करने का सुझाव दिया है। गौबा की अध्यक्षता में सचिवों के अधिकार प्राप्त समूह की हालिया बैठक में नीति आयोग को सुझाव दिया गया कि पीएलआई योजना से जुड़ी परियोजना प्रबंधन एजेंसियों (पीएमए) के कामकाज की समीक्षा करने के लिए आयोग की अध्यक्षता में एक संस्थागत ढांचा तैयार किया जाए। पीएमए इस योजना के कार्यान्वयन, आवेदनों की जांच, प्रोत्साहन के लिए पात्रता निर्धारण, विनिर्माण इकाइयों के निरीक्षण आदि के लिए संबंधित मंत्रालयों की मदद करने के लिए जिम्मेदार हैं। बैठक में नीति आयोग के मुख्य कार्या धिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रमण्यन भी मौजूद थे। दरअसल परियोजना प्रबंधन एजेंसियों और संबंधित मंत्रालयों के कामकाज की शुरुआती समीक्षा में पता चला है कि कई प्रमुख क्षेत्रों को भुगतान देर से हो रहा है। बैठक के ब्योरे में भी कहा गया है कि कई मामलों में प्रोत्साहन के दावे निपटाने में काफी देर हो रही है। इसके अलावा परियोजना प्रबंधन एजेंसियों ने पर्याप्त संख्या में विषय विशेषज्ञ भी नियुक्त नहीं किए हैं, जबकि पिछली बैठक में इसका निर्देश दिया गया था।' कुछ मामलों में शुरुआती निवेश की अवधि इस साल समाप्त हो रही है और दावा अगले वित्त वर्ष में ही किया जा सकेगा। बैठक में अधिकार प्राप्त समूह ने लाभार्थी कंपनियों के पीएलआई भुगतान दावे निपटाने की प्रक्रिया के लिए एक सामान्य व्यवस्था की जरूरत बताई। उसमें कहा गया है कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) संबंधित मंत्रालयों या विभागों से विचार-विमर्श कर हरेक पीएलआई योजना दिशानिर्देश को जांच सकता है।

मारुति सुजुकी ने पेश किया ब्रेजा कंप्रेस्ड बायो गैस मॉडल

- सीएनजी मॉडल से भी ज्यादा ईको फ्रेंडली

नई दिल्ली ।

हाल ही में मारुति सुजुकी ने भारत मोबिलिटी एक्सपो 2024 में बायो मीथेन गैस से चलने वाली ब्रेजा कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) मॉडल को पेश किया है। ब्रेजा सीबीजी का डिजाइन इसके स्टैंडर्ड मॉडल के जैसा ही है। वहीं इसे बायो गैस से चलाने के लिए कंपनी ने इसके इंजन में बदलाव किया है।

बात करें इंजन की तो इसमें 1.5-लीटर का के15 सी पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल किया गया है। वैसे तो यह इंजन पेट्रोल मोड में 102बीएचपी का पॉवर जनरेट करता है, लेकिन सीबीजी मोड में इसका इंजन 87बीएचपी की पॉवर और 121एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। मारुति ब्रेजी सीबीजी का डिजाइन मानक वेरिएंट के समान है, लेकिन इसमें चारों ओर कुछ सीबीजी वाले स्टिकर लगे हुए हैं, जो इसे अलग पहचान देते हैं।

इसमें ड्यूल-पॉड प्रोजेक्टर हेडलैंप्स, रूफ रेल्स, ड्यूल-टोन बंपर, रैप-अराउंड एलईडी टेललाइट्स, इंटीग्रेटेड एलईडी डेलाइट रनिंग लाइट्स, फॉगलाइट्स, डायमंड-कट अलॉय व्हील्स, ब्लैक-आउट ए, बी और सी-पिलर्स, रियर वाइपर और वॉशर जैसे फीचर्स मिलते हैं। मारुति ब्रेजी सीबीजी के केबिन में भी काफी आकर्षक और उपयोगी फीचर्स दिए गए हैं, जैसे कि सनरूफ, क्रूज कंट्रोल, पैडल शिफ्टर्स, सुजुकी कनेक्ट टेलीमैटिक्स तकनीक, खास टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल, की-लेस एंट्री, रियर पार्किंग सेंसर्स और लेदर रैप्ड पावर स्टीयरिंग व्हील।

इनके अलावा, इसमें ड्यूल फ्रंट एयरबैग्स, एबीएस, ईबीडी, आइएसओफिक्स चाइल्ड सीट एंकर्स, सीट बेल्ट रिमाइंडर, हाई स्पीड अलर्ट, रिवर्स पार्किंग कैमरा और हिल होल्ड असिस्ट जैसे सुरक्षा फीचर्स भी शामिल हैं। मारुति ने ब्रेजा सीबीजी के माइलेज का खुलासा नहीं किया है, लेकिन इसका माइलेज इसके सीएनजी वैरिएंट के अनुसार रहने का अनुमान है जो कि 25.51 किलोमीटर प्रति किलोग्राम है। इस कॉम्पैक्ट एसयूवी में 48 लीटर का पेट्रोल टैंक और सीबीजी के लिए 55 लीटर (पानी के बराबर) का टैंक दिया गया है।

फिलहाल, मारुति ने ब्रेजा सीबीजी के लॉन्च को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की है। लेकिन उम्मीद है कि इसे 2024 के मध्य तक बाजार में उतारा जा सकता है।

बुमराह की गति को नहीं समझ पाये हैं स्टोक्स : आथर्टन

विशाखापत्तनम । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथर्टन ने कहा है कि टीम के वर्तमान कप्तान बेन स्टोक्स इस सीरीज में अब तक भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गति को समझ नहीं पाये हैं। आथर्टन के अनुसार इसीलिए स्टोक्स अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। आथर्टन के अनुसार स्टोक्स को इस सरीज में अब तक बुमराह की गति को समझने में परेशानी हुई है। उन्हें अब तक दो टेस्ट मैच की चार पारियों में दो बार बुमराह ने ही आउट किया है। आथर्टन ने कहा कि बुमराह की गति को समझना कठिन है और यही स्टोक्स के साथ हो रहा है। स्टोक्स तेज गेंदबाजी के खिलाफ बेहतर बल्लेबाज माने जाते हैं। इसके बाद भी वह बुमराह के खिलाफ रन नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने बुमराह को लेकर खेलने में जल्दबाजी की है। इसके साथ ही वह गति को समझने में भी असफल रहे हैं। जब उसने बुमराह को आउट किया तो ऐसा लगा कि गेंद नीची रही है पहले 2 टेस्ट में 15 विकेट लेने वाले बुमराह ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 45 रन देकर छह विकेट लिए और उनकी गेंदबाजी का मुख्य आकर्षण ओली पोप को फेंकी गयी यॉर्कर गेंद थी। आथर्टन ने माना है कि इस प्रकार की गेंद पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि यह शानदार यॉर्कर था। जिससे बल्लेबाज के पास विकल्प नहीं थे।

एसएएफएफ अंडर19 : दूसरे हाफ के ब्लिट्ज में भारत की महिला टीम फाइनल में पहुंची

ढाका।

यहां मंगलवार को बीएसएसएसएम के स्टेडियम में अपने अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में भारत ने नेपाल को 4-0 से हराकर दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (एसएएफएफ) अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। भारत अब गुरुवार को खेले जाने वाले फाइनल में मेजबान और गत चैंपियन बांग्लादेश से भिड़ेगा। यंग टाइग्रेसेस ने इससे पहले अपना पहला मैच भूटान के खिलाफ 10-0 से जीता था, इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ 0-1 से हार मिली थी। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद भारतीय लड़कियों ने दूसरे सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल दागे। नेहा, सिबानी देवी और सुलंजना राउल की भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति ने बार-बार अंतराल पर प्रतिद्वंद्वी रक्षा को तोड़ दिया, नेपाल को दूसरी फिउड खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। विंगर नेहा ने अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें दूसरे हाफ में दो गोल भी शामिल थे, जबकि सुलंजना राउल और स्थानापन्न खिलाड़ी सिंडी टेमरुतपुई कोलनी ने देर से दो गोल करके भारत की आसान जीत सुनिश्चित कर दी। युवा बाघिनों ने फ्रंटफुट पर शुरुआत की, उनके अधिकांश हमले बाईं ओर से आए, जहां नेहा ने बढ़त बनाने के लिए अपनी गति का इस्तेमाल किया। उनके क्रॉस नेपाल की रक्षा के लिए लगातार खतरा बने हुए थे, जिनसे निपटने के लिए उन्हें काफी पसीना बहाना पड़ा। नेपाल की गोलकीपर लीला जोशी की भारत के केंद्रों से निपटने में असमर्थता ने भी बॉक्स में सामान्य ओवरलोड में योगदान दिया, क्योंकि उन्होंने शुरुआती आदान-प्रदान में गेंद को तीन बार गिराया। सुलंजना राउल, सिबानी देवी और पूजा, जो तीन मौकों पर करीब थीं, मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहीं। नेपाल की दक्षिणपंथी सेनू परियार के पास दोपहर का एकमात्र मौका था, जब उन्हें भारतीय रक्षापंक्ति के पीछे लगाया गया था, लेकिन उनके पास गोली चलाने के इरादे से आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त कोण नहीं था; अंततः उसे बेदखल कर दिया गया।भारत 54वें मिनट में फिर से शुरू होने के बाद सफलता पाने में सफल रहा, जब सिबानी के बाएं पैर के क्रॉस ने नेहा को सुदूर पोस्ट पर पाया, क्योंकि उसने बेहद संकीर्ण कोण से स्कोर करने के लिए इसे कीपर के पीछे धकेल दिया। उस लक्ष्य ने भारत को बहुत आत्मविशे वास दिया, क्योंकि नेपाल के लक्ष्य पर अधिक हमले हुए। पूजा ने दाहिनी ओर से बॉक्स में प्रवेश करते हुए नेपाल के गोलकीपर जोशी को पीछे छोड़ा और नेहा को पास दिया, जो लक्ष्य से चूक गई। घंटे के निशान पर राउल के एक शॉट को दिव्या यास्माली मागर ने लाइन से बाहर कर दिया। जैसे ही गेंद क्रॉसबार से बाहर आई, नेहा ने बॉक्स के अंदर से एक ब्लास्ट किया और सिबानी ने रिबाउंड से उसके शॉट को स्टैंड में भेज दिया।

आने वाले मैचों में भारतीय बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा : जहीर

शुभमन और यशस्वी के प्रयासों से जीते दूसरा टेस्ट

विशाखापत्तनम ।

पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आने वाले मैचों में भारतीय बल्लेबाजों को काफी प्रसास करने होंगे। जहीर ने कहा कि भले ही भारतीय टीम ने दूसरा टेस्ट जीत लिया है पर उसकी बल्लेबाजी ठीक नहीं कही जा सकती है। उसे ये जीत यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की अच्छी बल्लेबाजी के कारण मिली है। यशस्वी और शुभमन ने जहां अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं जसप्रीत बुमराह ने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए मैच में कुल नौ विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट को 106 रन से जीतकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर पर ला दी है। जहीर ने कहा, 'जब आप टीम के प्रदर्शन को उम्मीद के अनुसार नहीं पाते हैं तो कुछ चिंताएं होना स्वाभाविक है। बल्लेबाजी एक ऐसी ही चीज है। हमने पूर्व में इन हालातों में इस तरह की पिचों पर भारतीय टीम को बेहतर प्रदर्शन करते हुए देखा है। उन्होंने कहा, 'आप अगर इंग्लैंड की दूसरी पारी पर ध्यान दें तो एक ही बल्लेबाज अर्धशतक लगा पाया था फिर भी उनकी टीम 300 रन के पास पहुंच गयी। वहीं भारतीय टीम की ओर से दूसरी पारी में शुभमन के शतक के बाद भी टीम 255 रन ही बना पायी। इस प्रकार देखा जाये तो सभी के प्रयासों से बड़ा स्कोर बनता है। इसको देखते हुए ये तय है कि अभी भारतीय बल्लेबाजों को और मेहनत करनी होगी।

एफआईएच प्रो लीग से युवाओं को सर्वश्रेष्ठ टीमों की शैली का पता चलेगा: हरमनप्रीत

भुवनेश्वर ।

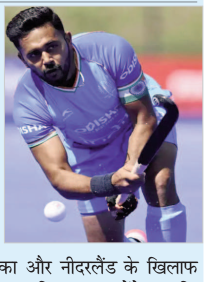

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि दस फरवरी से शुरु हो रहे एफआईएच प्रो लीग चरण में खेलने का लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। हरमनप्रीत के अनुसार इससे भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों को विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीमों की शैली का पता चलेगा। हरमनप्रीत ने कहा कि हम हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के एक सफल दौरे से वापस लौटे हैं वहां हमें प्रो लीग से पहले फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के खिलाफ खेलने से अपने खेल की समीक्षा का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि इस बार कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है और यह उनके लिए विश्व की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों की खेल शैली को जानने का एक अच्छा अवसर होगा। उन्होंने कहा कि हम प्रो लीग पर काफी ध्यान दे रहे क्योंकि इसे जीतने से हमें एफआईएच हॉकी विश्वकप 2026 के लिए सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके साथ ही यह आयोजन पेरिस 2024 ओलंपिक की तैयारी में भी अहम भूमिका निभाएंगे। भारतीय टीम प्रो लीग के इस सत्र के अपने पहले मैच में 10 फरवरी को स्पेन से, उसके बाद 11 फरवरी को नीदरलैंड से खेलेगी। भारतीय टीम इसके बाद 15 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और 16 फरवरी को भुवनेश्वर चरण के आखिरी मैच में आयरलैंड से खेलेगी।

नए अध्याय के लिए तैयार हैं डेनिएल कोलिन्स

नई दिल्ली।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी डेनिएल कोलिन्स ने इस सीजन के अंत तक पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने लगातार यात्रा की मांगों और खेल के साथ जुड़ी गतिविधियों से दूर अधिक सामान्य जीवन में लौटने की अपनी इच्छा भी जाहिर की। 30 वर्षीय डेनिएल कोलिन्स विश्व नंबर एक इगा स्विएटेक से दूसरे दौर में हार के बाद पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन में घोषणा की थी कि 2024 डब्ल्यूटीए टूर सीजन दौरे पर उनका अंतिम वर्ष होगा। मंगलवार को अबू धाबी में नाओमी ओसाका के खिलाफ शुरुआती दौर में सीधे सेटों में जीत के बाद उन्होंने अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया। कोलिन्स ने डब्ल्यूटीए वेबसाइट को बताया, इस साल की शुरुआत में छुट्टियों के आसपास मैंने फैसला किया कि यह मेरा आखिरी सीजन होगा। मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं और इसका इंतजार कर रही हूं। कुछ अन्य खिलाड़ियों की तुलना में, मैं इतने लंबे समय तक दौरे पर नहीं रही। कुछ मायनों में ऐसा लगता है कि मैंने थोड़े दिन पहले ही खेलना शुरू किया है, तो कभी ऐसा लगता है कि मैं बहुत समय से खेल रही हूं। कोलिन्स ने कहा कि करियर के दौरान कई बार चुनौतियां आईं। खासकर स्थिर घरेलू जीवन के आदी खिलाड़ी के लिए यह आम बात है। मैं निश्चित रूप से अपने खेल से प्यार करती हूं। यह मजेदार भावनाओं का एक रोलरकोस्टर रहा है। हालांकि, इस दौरान ऐसा समय भी आता है जो मुश्किल होते हैं। उन्होंने आगे कहा, इस समय मुझे लगता है कि मैं अगले अध्याय के लिए तैयार हूं। मैं इसे लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे एक अंतिम तिथि की आवश्यकता थी और इससे मेरे परिवार और दोस्तों को कुछ अंतिम टूर्नामेंटों में मेरा समर्थन करने का समय मिलेगा। मुझे लगता है कि यह वाकई खास होगा।

संक्षिप्त समाचार

एसए20 लीग रही है सफल : ग्रीम स्मिथ

युवा क्रिकेटरों को हुआ है लाभ

केप टाउन ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और एसए20 लीग कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि इस क्रिकेट लीग को उम्मीदों से ज्यादा सफलता मिली है। ये लीग आईपीएल की तर्ज पर ही शुरु की गयी है। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के लगभग सभी बड़े खिलाड़ी खेल रहे हैं। स्मिथ ने कहा कि इस लीग के प्रति लोगों का जबरस्त रुझान देखा गया है। साथ ही कहा कि इस एसए20 लीग से युवा क्रिकेटरों को लाभ हुआ है और उन्हें अपने कौशल को निखारने के साथ ही पैसे कमाने का भी अवसर मिला है। इस लीग ने प्रशंसकों को उत्साहित करने और सभी उम्र के नए दर्शकों को अपनी ओर मोड़ने में भी अहम भूमिका निभाई है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कहा, एसए20 लीग शुरू करते समय हमारा लक्ष्य दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट में सकारात्मकता लाना और उभरती प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर अपने कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना था। हम चाहते थे कि लीग खेल और मनोरंजन का मिश्रण हो, जिससे प्रशंसकों को मौका मिले। एसए20 की सफलता ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया है। सभी छह स्थानों पर स्टेडियम खचाखच भरे हुए हैं, जो अक्सर क्षमता के करीब पहुंच जाते हैं।लीग की वैश्विक अपील बढ़ी है, जिसने दुनिया भर से प्रशंसकों को आकर्षित किया है।

ऋषभ अब शायद ही विकेटकीपिंग कर पायें : फारूख इंजीनियर

मुम्बई ।

भारत के दिग्गज विकेटकीपर रहे फारुख इंजीनियर ने कहा है कि आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अब शायद ही विकेटकीपर की भूमिका निभा पायेंगे। ऋषभ कार हादसे के बाद से ही अब तक खेल से दूर हैं। उनके अगले माह आईपीएल 2024 सत्र से खेल में वापसी की उम्मीदें हैं। वहीं पूर्व विकेटकीपर फारुख का मानना है कि ऋषभ वापसी पर शायद ही विकेटकीपिंग कर पायें। उनके अनुसार कार हादसे में इस क्रिकेटर को कई गंभीर चोटें आई हैं, जिसके कारण अब उनके लिए दोबारा विकेटकीपिंग करना संभव नहीं रहेगा। साथ ही कहा कि इस चोट के कारण वह अपने सिक्स सेंस खो चुके हैं जबकि विकेटकीपिंग में इसका होना बहुत जरूरी है। गौरतलब है कि 85 वर्षीय इंजीनियर को हाल ही में बॉम्बे जिमखाना ने सम्मानित किया था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऋषभ अब भी टीम इंडिया के लिए बल्ले से मैच विजेता साबित होगा पर वह शायद ही विकेटकीपिंग कर पाये। इस पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि जब मैंने ऋषभ के साथ हुए हादसे की खबर सुनी थी तो मैं बहुत निराश था। उम्मीद करता हूं अब वह बेहतर हो गया है। मुझे नहीं लगता कि अब वह बतौर विकेटकीपर खेल पाएंगे क्योंकि जब आप पैनापन खो देते हैं और सिक्स सेंस कमजोर हो जाता है तो विकेटकीपिंग करना संभव नहीं होता। साथ ही कहा कि उनकी बल्लेबाजी क्षमताएं शानदार हैं। उनमें बल्लेबाज के तौर पर खेल का रुख बदलने की क्षमता अब भी है। बतौर बल्लेबाज उनका आत्मविश्वास देखते ही बनता है। बिल्कुल मेरी तरह उन्होंने कहा था कि स्पिनरों को खेल में हावी नहीं होने देना चाहिए।

आक्रामक शैली अपनाने के प्रयास में विफल हो रहे रुट : कुक

लंदन ।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज जो रूट इस सीरीज में तेजी से रन बनाने का प्रयास करने के कारण विफल रहे हैं। कुक के अनुसार रुट धीमी गति से खेलते हैं पर वह कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रैंडन मैक्कुलम की आक्रामक रणनीति में फिट होने के लिए अपना स्वाभाविक खेल नहीं खेलते हुए जरुरत से ज्यादा तेज खेलने का प्रयास कर रहे हैं। इसी दौरान वह अपने शॉट संतुलन नहीं कर पा रहे हैं। इसी कारण वह अब तक बड़े स्कोर नहीं बना पाये हैं। इंग्लैंड ने पिछले कुछ समय से आक्रामक रणनीति अपना रखी है। ये रणनीति कोच मैक्कुलम के खेलने की शैली से जुड़ी है। कुक की कप्तानी में ही इंग्लैंड की टीम ने साल 2012 में भारत में टेस्ट सीरीज जीती थी. इसके बाद से ही कोई भी विदेशी टीम भारतीय धरती पर टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है।

कुक ने कहा कि रूट दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में हर गेंद पर प्रहार करना चाहते थे। वह 10 गेंदों में 16 रनों की पारी के दौरान कभी सहज नहीं दिखे। कुक ने से कहा, 'वह सभी प्रारूपों में इंग्लैंड का अब तक के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है पर वह आक्रामक शैली में ढ़लने के दौरान संघर्ष करता हुआ दिखता है।'

कुक ने कहा, 'वह टीम के दूसरे खिलाड़ियों को आक्रामक शॉट खेलते हुए देखते हैं, जो उन खिलाड़ियों की शैली के अनुरूप है पर रुट के नहीं। साथ ही कहा कि रूट ने टेस्ट में 11,500 से ज्यादा रन बनाए हैं। वह शानदार बल्लेबाज है।

स्टोक्स और मैक्कुलम जो कर रहे हैं उसमें जगह बनाने की बेताबी में कभी-कभी वह आक्रामक और रक्षात्मक खेल का सही संतुलन नहीं बना पा रहे हैं।' कुक चाहते हैं कि रूट अन्य खिलाड़ियों की तुलना में अपनी स्वाभाविक गति से खेलें। उन्होंने कहा, रुट आम तौर पर ज्यादा तेजी से बल्लेबाजी नहीं करते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 1000 एकदिवसीय खेलने वाली दूसरी टीम बनी

कैनबरा । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को अंतिम एकदिवसीय मैच में भी हराकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली है। इस मैच में उतरते ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम कर ली। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मैच में उतरते ही एकदिवसीय प्रारुप में अपना 1000 एकदिवसीय मैच खेला। इस प्रकार वह सबसे अधिक एकदिवसीय मैच खेलने वाली दूसरी टीम बन गयी है। वहीं भारतीय टीम 1055 एकदिवसीय खेलकर पहले नंबर पर है। वहीं तीसरे नंबर पर पाकिस्तान है। उसने 970 मैच खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 1000 एकदिवसीय के दौरान रही 6 विश्व कप, 2 चैंपियंस ट्रॉफियां और कई सीरीज अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया का 1000 मैच खेलकर सबसे अच्छा जीत प्रतिशत (60.90) है। वहीं श्रीलंका ने जीत दर्ज करने से ज्यादा मैच हारे हैं। उसका जीत प्रतिशत 51.78 है। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज को 86 रन पर ही आउट कर दिया। इसके बाद लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने केवल 65 ओवर में ही 87 रन बनाकर हासिल कर लिया।

बुमराह से निपटने का तरीका तलाशना होगा : मैकुलम

राजकोच ।

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करते हुए मेहमान टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया था। बुमराह ने पहली पारी में 45 रन देकर छह विकेट लेकर मेहमान टीम को रक्षात्मक रुख पर मजबूर कर दिया था। भारतीय टीम ने इस प्रकार दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। इससे अब बचे हुए तीन मैचों के लिए इंग्लैंड टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। मैकुलम का मानना है कि अब टीम को बुमराह से निपटने का रास्ता तलाशना होगा। बुमराह की घातक गेंदबाजी से ही इंग्लैंड की टीम पहली पारी में केवल 253 रन ही बना पायी। कोच ने कहा कि उनकी टीम सिद्धांतों पर विश्वास नहीं करती पर वे बुमराह को खेलने का तरीका ढूंढने की कोशिश करेंगे. मैकुलम ने कहा, '' हम वास्तव में सिद्धांतों पर काम नहीं करते हैं। हम यह तय कर रहे है कि हमारे खिलाड़ी मौजूदा समय में रहे और वे अपने तरीके पर भरोसा करे। वे इस मामले में मुझसे कहीं बेहतर हैं और वे इस पर काम करेंगे कि इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। इस बारे में उनका तरीका बिलकुल अलग हो सकता है। हम देखेंगे कि हम क्या हासिल कर पाते है। अभी के लिए हमें बुमराह की तारीफ करनी होगी और कहना होगा कि वह पहली पारी में काफी शानदार गेंदबाजी कर रहे थे।'' मैकुलम ने बुमराह के कौशल की तारीफ करते हुए कहा, ''उसके पास हर हालात में गेंदबाजी करने की क्षमत है। गेंद जब स्विंग होती है तो वह ज्यादा खतरनाक होता है। वह कमाल का गेंदबाज है। वह अपनी तरह का एकमात्र गेंदबाज है जो हवा से ही काफी स्विंग हासिल करता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह बहुत अच्छा गेंदबाज हैं पर हमने भी काफी अच्छे गेंदबाजों का सामना किया है और उसी आधार पर हम आगे खेलने उतरेंगे।

दक्षिण अफ्रीका 20 लीग से बेहतर खिलाड़ी निकालना चाहते हैं स्मिथ

केपटाउन ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा कि वे भी आईपीएल की तरह ही दक्षिण अफ्रीका 20 लीग से भी राष्ट्रीय टीम के लिए हर प्रारूप के बेहतर खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं। स्मिथ इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल जैसे युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद प्रभावित दिखे। हर प्रारूप में खेलने वाले सबसे सफल खिलाड़ियों में रहे स्मिथ ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट के पास काफी प्रतिभाएं हैं। साथ ही कहा कि यशस्वी और शुभमन की प्रतिभा आईपीएल से ही निखरी थी। इसके बाद से ही ये खिलाड़ी टेस्ट में भी अच्छा खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, ' अब प्रतिभाएं कई मंचों से आ रही है और अगर आप में प्रतिभा है तो आप हर प्रारूप में खेल सकते हैं। स्मिथ का मानना है कि खेल के विकास और उसे आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिये टी20 जरूरी है।

साथ ही कहा, 'मुझे टेस्ट क्रिकेट पसंद है और मैं चाहता हूं कि यह मजबूत रहे। टी20 क्रिकेट से खेल को नए दर्शक, नए खिलाड़ी और नए बाजार मिल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट को मजबूत बनाने के लिये भी जरूरी है कि हमारी अपनी लीग बेहतर तरीके से काम करे। टीम के टेस्ट क्रिकेट में खराब प्रदर्शन से स्मिथ निराश हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं पर किसी का भी 40 से ऊपर औसत नहीं है जबकि हमारे समय में छह खिलाड़ी ऐसे थे जिनका औसत 50 से ऊपर था। स्मिथ का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट के सामने असल चुनौती आर्थिक ढांचा है।

एमसीसी क्रिकेट समिति के सदस्य ने कहा, 'हर कोई शेड्यूल की बात करता है लेकिन असल में समस्या वित्तीय मॉडल है। हम एमसीसी क्रिकेट समिति की बैठकों में भी बात करते हैं कि राजस्व साझा करने का मॉडल क्या होना चाहिये कि सभी देश आर्थिक रूप से इतने मजबूत हों कि टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहें। वहीं खिलाड़ियों को लगता है कि टी20 में ज्यादा पैसा है और वे उसे अधिक महत्व देते हैं जिससे दूसरे प्रारूप प्रभावित होते है।

उदय सहारन को भारतीय टीम के अंडर-19 विश्वकप जीतने का भरोसा

जोहांसबर्ग ।

भारतीय अंडर19 टीम के कप्तान उदय सहारन को भरोसा है कि उनकी टीम अब 11 फरवरी को होने वाले खिताबी मुकाबले में जीत हासिल करेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले एक रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनायी है। इस मुकाबले में कप्तान उदय सहारन ने शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब अगर भारतीय टीम खिताब जीतती है तो ये उपलब्धि हासिल करने वाले सहारन छठे भारतीय कप्तान बन सकते हैं। भारतीय टीम का मुकाबला फाइनल में पाकिस्तान या ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा। आईसीसी अंडर19 वर्ल्ड कप में अब तक पांच भारतीय कप्तानों को जीत मिली है। 36 साल पहले 1988 में पहला अंडर19 वर्ल्ड कप खेला गया था। तब से अब तक 14 बार यह टूर्नामेंट हुआ है। इनमें से 5 बार भारतीय टीम ने खिताब जीते हैं। वहीं अब भारतीय टीम के पास छठा खिताब जीतने का मौका भी है। अगर भारतीय टीम खिताब जीतती है तो सहारन, मोहम्मद कैफ के साथ उस एलीट क्लब के कप्तानों में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने भारतीय टीम को जीत दिलायी है। भारतीय टीम को पहली जीत मोहम्मद कैफ की कप्तानी में मिली थी। इसके बाद उसने विराट कोहली, उन्मुक्त चंद बने, पृथ्वी शॉ और यश धुल की कप्तानी में ये खिताब जीते हैं।

सूरत की कला, संस्कृति, विचार और संवाद को एक मंच पर लाने वाले पांच दिवसीय तापी महोत्सव का शुभारंभ

सूरत।

तापी उत्सव 2024 का आयोजन तापी आर्ट प्रमोशन की एक पहल के रूप में तापी ट्रस्ट द्वारा कॉन्सेप्ट मेडिकल और अनुपम रसायन इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया जाता है। कला, संस्कृति, विचार और संवाद को एक मंच पर लाते हुए सूरत में तापी उत्सव की शुरुआत हो गई है। यह पर्व अगली तिथि को है. साइंस सेंटर में 11 तक चलेगा। तापी उत्सव प्रत्येक सूरतवासी के लिए उत्सव का अवसर है।

विज्ञान केन्द्र में प्रतिदिन प्रात: 10.00 बजे से 11.00 बजे तक विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। जिसमें ज्ञान गोष्ठी, रंगमंच, सिनेमा, संगीत समारोह, कविता, वार्तालाप आदि शामिल हैं। यह तापी उत्सव का पांचवां संस्करण है। साथ ही चर्चाएं, फिल्में, प्रदर्शनियां अलग-अलग विषयों पर केंद्रित होंगी। इस बार चुनी गई थीम "क्रॉसओवर" है। समाज में बदलाव या सुधार कितना जरूरी है, इस पर चर्चा होगी।

महोत्सव आज दोपहर तीन बजे शुरू हुआ। जिसमें दिलीप जोशी अभिनीत गुजराती फिल्म 'हूं हुंशी हुंशीलाल' दिखाई गई और संजीव शाह द्वारा निर्देशित फिल्म की चमक साझा की गई। जबकि शाम 5 बजे से 6.30 बजे तक शरीफ विजलीवाला ने अपनी किताब के आधार पर बंटवारे की दर्दनाक कहानी के अंश प्रस्तुत किये। आज के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. कल 8 फरवरी को सुबह 11 बजे कमलिका बोस का व्याख्यान होगा और दोपहर 3 बजे

अनामिका हुस्कर की बेहद दिलचस्प फिल्म 'घोड़े को जलेबी खिलाने ले जा रिया हूं' दिखाई जाएगी। शाम 5 बजे मशहूर सामाजिक कार्यकर्ता और लेखिका मितल पटेल का भाषण होगा।

9 फरवरी को सुबह 11 बजे राजेंद्र टीकू की प्रस्तुति होगी और दोपहर 3 बजे शिशिर झा की फिल्म 'टॉरटोइज अंडर द अर्थ' दिखाई जायेगी। शाम 5 बजे संघमित्रा देसाई और सुरेंद्र गाडेकर की बातचीत है. अनुभा फतेहपुरिया का नाटक 'कागज के गुब्बारे' शाम 6.30 बजे से 8.00 बजे तक और 'प्रेम रामायण' रात 9.00 बजे से 11.00 बजे तक देखा जाएगा।

अजीतपाल सिंह की फिल्म 'फायर इन द माउंटेन' 10 फरवरी को सुबह 11 बजे रिलीज होगी. दोपहर 3 बजे अभिनेत्री रत्ना पाठक शाह का व्याख्यान, शाम 5 बजे निधिश त्यागी का काव्य पाठ, शाम 6.30 बजे विद्या शाह का गायन। , रात्रि 9.00 बजे ज्योति डोगरा द्वारा 'मास' प्रस्तुत करेंगे।

महोत्सव के आखिरी दिन सुबह 11 बजे प्रशांत पंजियार, विवेक देसाई, जोया लोबो, अनुज अंबालाल, सौरभ देसाई जैसे मशहूर फोटोग्राफरों की प्रस्तुति होगी. शाम 5.00 बजे निबंधकार एवं कवि यज्ञेश दवे द्वारा काव्य पाठ, 6.30 बजे पुनित पनिया स्टैंड अप कॉमेडी प्रस्तुत करेंगे।

प्रभावशाली लोगों द्वारा कार्यक्रमों और प्रदर्शनों की एक श्रृंखला महोत्सव की शोभा बढ़ायेगी और समापन बैंड इंडियन ओसियन के संगीतमय प्रदर्शन के साथ होगा। इन सबके अलावा, कलाविति के तहत पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने वाले अन्य कार्यक्रम और विभिन्न कार्यशालाएं भी हैं जो हाथों-हाथ सीखने में योगदान देती हैं। 2014 से आयोजित तापी उत्सव को देश के प्रमुख शहरों में आयोजित होने वाले अन्य शहरी त्योहारों की तुलना में बड़े पैमाने पर आयोजित किया गया है। शहर के त्यौहार कई दिमागों को एक साथ लाते हैं जो आयोजन को आकार देते हैं, परोपकारी व्यक्तित्व और संगठन जो इसका समर्थन करते हैं, स्वयंसेवक त्यौहार में सेवा करते हैं। नागरिक जो अपनी उपस्थिति से इस विचार को विश्वसनीयता प्रदान करते हैं। नागरिकों से अनुरोध है कि वे कार्यक्रम के विस्तृत विवरण और कैलेंडर के बारे में सभी विवरण जानने के लिए तापी उत्सव इंस्टाग्राम पेज को फॉलो करें।

चोरयासी तालुका के लाजपोर सेंटर स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

सूरत।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2024 के तहत जिला पंचायत शिक्षा समिति द्वारा संचालित चोर्यासी तालुक के लाजपोर सेंटर स्कूल में आरटीओ सूरत टीम द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को ऑडियो-वीडियो विजुअल पद्धति से यातायात शिक्षा के बारे में जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया गया। आरटीओ कार्यालय के सहायक निरीक्षक एच. के. पटेल एवं सड़क सुरक्षा प्रशिक्षक ब्रिजेश एम. वर्मा ने स्कूली विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को यातायात नियमन एवं अनुपालन, सड़क सुरक्षा पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

बारडोली के हिंडोलिया गांव में भारत संकल्प यात्रा रथ का हुआ भव्य स्वागत

सूरत।

केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के इरादे से सूरत जिले के बारडोली तालुका के हिंडोलिया गांव में भारत संकल्प यात्रा का रथ विकसित किया गया। जहां ग्रामीणों ने संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत किया और भारत को विकसित बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों ने विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे पोषण अभियान, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, कृषि, पशुपालन योजनाओं के बारे में केंद्र और राज्य सरकार की विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों ने शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वितरित किया। साथ ही योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किये।

इस अवसर पर हिंडोलिया गांव में टीएचओ बारडोली डॉ. पी. डी. फड़सानिया, योगेशभाई डी. चौधरी-हिंडोलिया दूध डेयरी के प्रबंधन सदस्य चौधरी मुकेंद्रभाई एम-सी.का. इस अवसर पर एम.एम.पंचायत उपखण्ड बारडोली, ग्राम सरपंचश्री एवं उपसरपंचश्री, ग्राम के तलाटी कमानश्री, ग्राम नेता, स्वास्थ्य कर्मचारी, मुख्य सेविका कमलाबेन चौधरी, आंगनबाडी कार्यकर्ता, टेडगर, विद्यालय के शिक्षक एवं अन्य विभाग के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सूरत नगर निगम के मराठी मीडियम गर्ल्स स्कूल में एडमिशन के लिए अभिभावक उत्सुक हैं

सूरत। सूरत के लिंबायत जोन में नगर प्राथमिक शिक्षा समिति का महारानी ताराबाई प्राइमरी स्कूल नंबर 175 बेहद खास है और नए-नए आविष्कारों के जरिए शिक्षा के नए आयाम ला रहा है। सूरत नगर निगम के इस अनूठे और अभिनव मराठी मीडियम गर्ल्स स्कूल में प्रवेश के लिए माता-पिता इंतजार करते हैं।

हाल ही में इस स्कूल में बच्चों के लिए फन जोन और लर्निंग बाय कॉन्सेप्ट पर प्रयोग किए गए। जिसमें बच्चे खुद एक आइडिया पर काम करते हैं और उसे स्कूल में शिक्षकों और अन्य छात्रों और अभिभावकों के सामने यह सोचकर पेश करते हैं कि इसे एक बिजनेस मॉडल बनाया जा सकता है। ऐसा ही एक नवाचार एक विचार था जिसमें बच्चे स्वयं स्कूल में एक सेल्फी पॉइंट स्थापित करते थे, सेल्फी पॉइंट पर चित्र और खिलौने स्थापित करते थे, जो माता-पिता या छात्र फोटो लेना चाहते थे, उनसे 2/- रुपये का शुल्क लेते थे। . फीस से एकत्रित धन का उपयोग विद्यालय में होने वाले गायत्री हवन में किया जाता है। इसलिए बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ पोषित भी किया जा रहा है। ऐसा प्रयोग उन्होंने आनंद-मेले में किया। जिसमें छात्र घर से अपने व्यंजन लाते हैं, मार्केटिंग करते हैं और ग्राहकों को आकर्षित करके अपना मुनाफा बढ़ाने की कोशिश करते हैं। कुछ छात्रों ने आलू-भुंगला, कुछ ने मंचूरियन, कुछ ने सेव उसल, अलुपुरी, लोचो, पानी पूरी जैसे व्यंजन बनाए।

इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य काशीनाथ जादव ने कहा कि आज समय बदल गया है, शिक्षा की परिभाषा बदल गयी है, बच्चों को पारंपरिक एवं रूढ़िबद्ध शिक्षा के स्थान पर व्यावहारिक एवं रचनात्मक ज्ञान दिया जाना चाहिए. फूड स्टॉल लगाकर छात्र गणित, मार्केटिंग, पाक विज्ञान, सांख्यिकी जैसे विषय सीख सकते हैं। जिन बच्चों को जीवनभर काम करना पड़ता है, आज उस बच्चे को चारदीवारी तक सीमित न रखकर हर क्षेत्र में शिक्षा दी जानी चाहिए। हम भविष्य में भी ऐसे प्रयोग करना चाहते हैं, इस कार्य में हमें अपने शिक्षकों का भी सहयोग मिलता है।

श्री श्याम मंदिर का सातवाँ पाटोत्सव 14 को आयोजित, भजन संध्या सहित अनेकों आयोजन होंगे

सुरत भुमि, सूरत।

श्री श्याम मंदिर, सूरत का सातवाँ पाटोत्सव बसंत पंचमी पर 14 फ़रवरी, बुधवार को धूमधाम से मनाया जायेगा। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष रामप्रकाश रुंगटा एवं सचिव विनोद कानोड़िया ने बताया कि इस अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में विशाल रथ निशान यात्रा, अखण्ड ज्योत पाठ, भजन संध्या सहित अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष कैलाश हाकिम एवं सन्दीप बेरीवाला ने बताया कि आयोजन की शुरुआत 13 फ़रवरी, मंगलवार को विशाल रथ निशान यात्रा से होगी। उसके पश्चात श्री श्याम अखण्ड ज्योत पाठ एवं संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन होगा।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष संतोष माखरिया में बताया कि सातवाँ पटोत्सव 14 फ़रवरी, बुधवार को मनाया जायेगा। जिसमें सुबह पूजा विधान एवं शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें आमंत्रित गायक कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे।

ट्रस्ट के सहसचिव कमल टाटनवाला एवं सहकोषाध्यक्ष अशोक चौकड़िका ने बताया कि इस मौक़े पर मंदिर को सजाया जायेगा एवं बाबा श्याम, सालासर दरबार, शिव परिवार का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। आयोजन में छप्पन भोग, बाबा का ख़ज़ाना आदि कार्यक्रम भी होंगे।

एयरटेल ने सूरत में अपनी रिटेल स्टोर्स का विस्तार किया

सूरत।

भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल ने आज घोषणा की कि उसने सूरत शहर में कंपनी के अपने 10 नए नेक्स्ट-जनरेशन स्टोर लॉन्च किए हैं। डिंडोली, सीमाडा, अब्रामा रोड, उत्तरान, गोदादरा, अमरोली कोसाड रोड, पालनपुर, वेसु रोड, पांडेसरा, जहांगीराबाद में खोले गए नए स्टोर से एयरटेल ने रिटेल उपस्थिति को मजबूत किया है जिससे ग्राहकों को अद्वितीय सेवा का अनुभव होगा। स्टोर अपने पोर्टफोलियो में एयरटेल की अत्याधुनिक तकनीकों का भी प्रदर्शन करेंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन और ग्राहकों को आजीवन सेवा देने की थीम पर डिजाइन किए गए ये स्टोर एक्सस्ट्रीम, एक्ससेफ, 5जी प्लस आदि सहित एयरटेल की पेशकशों की पूरी श्रंखला प्रदर्शित करेंगे। अद्वितीय सेवा अनुभव प्रदान करने की दृष्टि से 'एयरटेल फ्रेंड्स' के तौर पर देखे जाने वाले स्टोर-कर्मचारियों को मोबाइल, ब्रॉडबैंड और डीटीएच सहित एयरटेल के सभी पोर्टफोलियो में ग्राहकों के प्रश्नों व उलझनों को संबोधित करने तथा हल करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

इस विस्तार पर टिप्पणी करते हुए सौमेंद्र साहू, सीईओ - गुजरात, भारती एयरटेल ने कहा, "ग्राहकों की संतुष्टि का जुनून हमें आगे बढ़ने के प्रेरित करता है, इसलिए हम गुजरात राज्य में बड़े पैमाने पर रिटेल का विस्तार कर रहे हैं। ग्राहकों की सभी जरूरतों के लिए वन-स्टॉप के रूप में मोहल्लों में स्थित ये स्टोर मोबाइल, ब्रॉडबैंड, डीटीएच आदि सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रंखला की पेशकश करेंगे। गुजरात राज्य हमारे लिए एक बड़ा फोकस मार्केट बना हुआ है और हम इस मार्केट में निवेश करना जारी रखेंगे।"

एयरटेल पिछले कुछ वर्षों से देश में अपनी रिटेल उपस्थिती को मजबूत करते हुए अपनी ऑफलाइन उपस्थिति निरंतर बढ़ा रहा है। वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर पर कंपनी के 1500 स्टोर हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)